Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 53 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, बुधवार 26 अगस्त 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

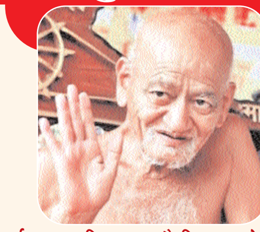

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

नवा रायपुर को देश की अग्रणी ग्रीनफील्ड सिटी के रूप में विकसित करने पर जोर : ओपी चौधरी

■ मांग आधारित आवासीय परियोजनाओं से हितग्राहियों को मिलेगा लाभ

रायपुर (विश्व परिवार)। आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-12 फेस-2 में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल की 119.89 करोड़ रुपए की आवासीय परियोजना का भूमिपूजन किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर में आवासीय सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि परियोजना के अंतर्गत HIG एवं MIG श्रेणी के कुल 348 भवनों का निर्माण किया जाएगा। आवासों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसी सेक्टर में आगामी चरण में 704 नए फ्लैट का निर्माण भी शीघ्र किया जाएगा।

बिना मांग के नहीं होगी नई आवासीय परियोजना : चौधरी

मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण नीतिगत सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि एक समय कर्ज से जूझ रहे मंडल को लगभग 700 करोड़ रुपए का ऋण चुकाकर कर्जमुक्त किया गया। इसके बाद मंडल की कार्यप्रणाली में सुधार करते हुए यह नीति निर्धारित की गई कि बिना मांग के किसी स्थान पर आवासीय परियोजना शुरू नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी परियोजना में 60 प्रतिशत बुकिंग होने अथवा प्रथम तीन माह में 30 प्रतिशत बुकिंग होने के बाद ही टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। इससे मांग आधारित और व्यावहारिक आवासीय परियोजनाओं को बढ़ावा मिलेगा तथा बिना मांग के निर्मित होकर लंबे समय तक खाली रहने वाले भवनों की समस्या से भी निजात मिलेगी।

यूपीआई के 10 साल: डिजिटल पेमेंट क्रांति ने रचा नया इतिहास, 11 देशों तक पहुंचा

नई दिल्ली। 25 अगस्त 2016 को लॉन्च हुआ यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस आज भारत की डिजिटल पेमेंट क्रांति की पहचान बन चुका है। कभी कैश के बिना घर से निकलना मुश्किल लगता था, लेकिन अब छोटी दुकानों से लेकर बड़े मॉल तक यूपीआई क्यूआर कोड आम हो गया है। 10 साल के सफर में यूपीआई ने भारत के भुगतान तंत्र को पूरी तरह बदल दिया है। स्थानीयशहर की गाइड एक्सप्लोर करना

2016-17 में यूपीआई पर करीब 2 करोड़ ट्रांजेक्शन हुए थे। वित्त वर्ष 2025-26 तक यह आंकड़ा बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गया। ट्रांजेक्शन वैल्यू भी 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 314 लाख करोड़

रुपये पहुंच गई। शुरुआत में 44 बैंक यूपीआई से जुड़े थे, जबकि जुलाई 2026 तक यह संख्या बढ़कर 741 बैंक हो गई है। यूपीआई की सफलता में लगातार जुड़े नए फीचर्स की बड़ी भूमिका रही है। 2017 में डायनामिक क्यूआर कोड, 2018 में यूपीआई 2.0 के बाद यूपीआई आटो, क्रेडिट लाईन, और यूपीआई सर्कल जैसी सुविधाएं आईं। टैक्स भुगतान की सीमा बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक की गई।

बहनों ने बांधी स्नेह की डोर, 'विष्णु भैया' ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

■ बहनों के स्नेह से सजी 'विष्णु भैया' की कलाई, सुरक्षा-सम्मान का लिया संकल्प

रायपुर (विश्व परिवार)। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में आज भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा।

कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री इस अवसर पर भावुक हो उठे। उन्होंने शहीद श्री वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों के परिवारों के साथ सदैव खड़े रहने का संकल्प दोहराया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राखी का यह धागा केवल भाई-बहन के स्नेह का बंधन नहीं, बल्कि एक शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। हमारे वीर जवानों का बलिदान और उनके परिवारों का त्याग छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूल सकता। शहीदों के परिवार हमारे अपने परिवार हैं और उनके सम्मान, स्वाभिमान तथा हर सुख-दुःख में उनके साथ खड़े रहने का यह रिश्ता सदैव अटूट रहेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है और अनेक जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है।

रायपुर-बलौदाबाजार राजमार्ग सारंगढ़ तक होगा विस्तार

■ सांसद बृजमोहन के आग्रह पर नितिन गडकरी ने दी स्वीकृति

नई दिल्ली/रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, जनसुविधाओं के विस्तार और क्षेत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय स्वरूप देने के लिए सदैव संकल्पित रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भेंट की। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में सांसद श्री अग्रवाल ने राजधानी रायपुर के साथ-साथ पूरे प्रदेश की यातायात प्रणाली को सुगम, सुरक्षित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने के लिए तीन प्रमुख मांग पत्र सौंपे।

वीआईपी चौक से एयरपोर्ट रोड में लगभग 500 मीटर विस्तार होगा

राजधानी में NHAI द्वारा प्रस्तावित तेलीबांधा से जोरा एलिवेटेड रोड को और अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से सांसद श्री अग्रवाल ने आग्रह किया कि वीआईपी चौक पर बनने वाले टी-जंक्शन के भारी ट्रैफिक दबाव को समाप्त करने के लिए एलिवेटेड रोड को एयरपोर्ट रोड की दिशा में 300 से 500 मीटर अतिरिक्त फ्लाईओवर के माध्यम से जोड़ा जाए। इस दूरगामी निर्णय से स्वामी विवेकानंद विमानतल आवागमन अत्यंत सुगम होगा तथा NH-53 पर यातायात का भार काफी कम होगा। सांसद बृजमोहन के आग्रह को स्वीकार करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने इसकी तत्काल स्वीकृति भी प्रदान की।

भिलाई नगर चुनाव विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

■ देवेंद्र यादव की एसएलपी खारिज, प्रेम प्रकाश पांडेय की निर्वाचन याचिका पर हाईकोर्ट में ट्रायल जारी रहेगा

रायपुर (विश्व परिवार)। भिलाई नगर विधानसभा चुनाव से जुड़े निर्वाचन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की विशेष अनुमति याचिका (SLP) खारिज कर दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के 30 जून 2026 के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए यह फैसला सुनाया। इसके साथ ही भिलाई नगर विधानसभा चुनाव से संबंधित निर्वाचन याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नियमित सुनवाई और ट्रायल का रास्ता साफ हो गया है।

मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने की। देवेंद्र यादव की ओर से हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए SLP (Civil) No. 28778/2026 दायर की गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया।

यह पूरा मामला 65-भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र के वर्ष 2023 के चुनाव परिणाम से जुड़ा है। भाजपा नेता, पूर्व कैबिनेट मंत्री और छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय ने निर्वाचन याचिका क्रमांक 9/2024 के माध्यम से देवेंद्र यादव के निर्वाचन को चुनौती दी है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 6 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

■ हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के पोस्टर बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने सोमवार रात चेकिंग के दौरान 6 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के 5 पोस्टर मिले हैं। वहीं, पुलवामा में भी सुरक्षाबलों ने यरवान जंगल में सर्च ऑपरेशन के दौरान दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक पिस्तौल, 12 कारतूस और हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। सुरक्षा एजेंसियां हथियारों के सोर्स और इनके आतंकी नेटवर्क से संबंधों की जांच कर रही हैं। इससे पहले सोपोर के मंजसीर इलाके में सोमवार रात को सुरक्षाबलों ने जॉइंट सर्च ऑपरेशन में हथियार बरामद किए हैं।

तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका, करना होगा सरेंडर

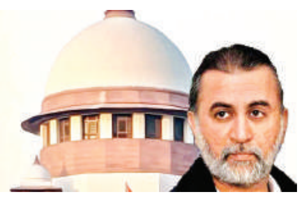

नई दिल्ली। तहलका के पूर्व एडिटर-इन-चीफ (पूर्व संपादक) तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। देश के शीर्ष न्यायालय ने तरुण तेजपाल के सरेंडर से छूट देने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने तरुण तेजपाल को दो हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तरुण तेजपाल को 22 सितंबर तक सरेंडर कर उसका सर्टिफिकेट कोर्ट में जमा करना होगा। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई तय की जाएगी। बता दें कि रेप केस में तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को बॉम्बे हाईकोर्ट से 10 साल कैद की सजा सुनाई है। दालत ने तेजपाल को दो सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का निर्देश दिया था। तरुण तेजपाल हाईकोर्ट के निर्णय के खिलाफ याचिका दायर राहत की मांग की थी। तेजपाल के वकील कपिल सिब्बल ने सरेंडर से छूट देने वाली इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन को 31 अगस्त को सूचीबद्ध करने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि जब तक इस आवेदन पर सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक तेजपाल को सरेंडर करने से राहत दी जाए। जबकि गोवा सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध किया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के नियमों और पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि दोषी को पहले सरेंडर करना होगा।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANS. CO. LTD.
O/o Chief Engineer (Store & Purchase)
3rd floor, SLDC Building, Danganiya Raipur(C.G.)

No. CE(S&P)/NIT/TR-26/S&P/21/I/599913/2026 Raipur, dtd: 24.08.2026

E - PROCUREMENT TENDER NOTICE

Online tenders are invited for supply of following materials:

Tender No.	Particulars	Qty	Online tender Cost (Rs.) including GST	EMD (Rs.)	Due date of submission
TR-26/S&P/21 RFx No- 8100053951	Touch screen digital multifunction meters	100 Nos.	5000/-	33,241/-	15/09/2026 (15:00 Hrs)

For all other details of NIT and terms & conditions, please visit our web site www.cspc.co.in.

SAVE ELECTRICITY   SAMVAD- 48856/3   Chief Engineer (S&P) CSPTCL : Raipur

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से शिक्षा विभाग नहीं संभल रहा: ठाकुर

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को संभालने में पूरी तरह विफल साबित हो चुके हैं। भाजपा सरकार में शिक्षा विभाग की हालत ऐसी हो गई है कि स्कूलों में पढ़ाई कम और हड़ताल-प्रदर्शन ज्यादा हो रहे हैं। कभी शिक्षक अपनी नौकरी और अधिकार बचाने सड़क पर उतर रहे हैं, तो कभी छात्र अपनी बुनियादी सुविधाओं के लिए बस्ता छोड़कर आंदोलन करने मजबूर हैं।प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि शिक्षकों पर टीटी की अनिवार्यता के नाम पर नौकरी पर संकट मंडरा रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34808/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34808
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 51 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328P0179A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAILASH BAJAJ** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADHAV DAS BAJAJ** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **आशिष झा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **निर्मल झा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34747/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34747
वार्ड का नाम-51- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **51** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328ZE0067** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. MAINA SAW** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MR. HARIPRASAD SAW** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. पारख लाल सोनवानी 2. हिमांशु सोनवानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. कार्तिक राम सोनवानी 2 पी. एल. सोनवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34737/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34737
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328R00401** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NEELE SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANJAY SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नाबा. कु. नियति शुक्ला वली रामकुमार शुक्ला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. संजय शुक्ला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **नामांतरण आदेश शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पूर्व विक्रय विलेख, टैक्स रसीद** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34736/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34736
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328H00256** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVARDHAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LAKHAN SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **धरम बाई साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. गोवर्धन साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34667/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34667
वार्ड का नाम-51- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **51** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328Y00242** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANISH DEO SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NANDSHANKAR SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अनुराधा नायक** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कचरू राम नायक** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34666/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34666
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328Q00280** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRIYANKA RAGHUVANSHI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DR. SHIRISH RAGHUVANSHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANI JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAMAL KUMAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34665/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34665
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328S00032** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARABJEET SINGH KHANNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MR. MANMOHAN SINGH KHANNA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. चंद्रकांत अंभोरे 2. धारणा चंद्रकांत अंभोरे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. वामन राव अंभोरे 2. चंद्रकांत अंभोरे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /34665/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34665
वार्ड का नाम- 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **32** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328S00032** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SARABJEET SINGH KHANNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MR. MANMOHAN SINGH KHANNA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. चंद्रकांत अंभोरे 2. धारणा चंद्रकांत अंभोरे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. वामन राव अंभोरे 2. चंद्रकांत अंभोरे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा कालोनी खिलौरा, जिला- रायपुर,** में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित भवन क्र. **एल.आई.जी -55, श्रीमती नंदा सक्सेना पति श्री रविंद्र सक्सेना निवासी:- बंजारी नगर, नजदीक बंजारी मंदिर, काठाडीह रोड़ भाठागांव रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आंबटन आदेश **क्र. 755 दिनांक 27.01.2012** के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 26.11.2010** को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 3261 दिनांक 18.09.20.12** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। आंबटी **श्रीमती नंदा सक्सेना पति श्री रविंद्र सक्सेना,** उक्त भवन को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन को क्रेता श्रीमती **करिश्मा सोनवानी पति श्री राम कुमार सोनवानी निवासी:- वार्ड नं.-03, भोरिंग, महासमुंद (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB
कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत सडडू, रायपुर में स्थित भवन क्रमांक-255, श्री धनंजय साहू पिता श्री चैतरात साहू,** के नाम से नामांतरित है, नामांतरी द्वारा उक्त भवन की सेलडीड/लीजडीड **दिनांक 02/03/2015** पंजीकृत कराने के उपरांत भवन की पूर्ण राशि जमा कर नामांतरण आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी **श्री धनंजय साहू पिता श्री चैतरात साहू, निवासी-एल.आई.जी-255, सेक्टर-02, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सडडू, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री रमन मालाधरे पिता श्री चन्द्रमणी मालाधरे, निवासी म.न.-110, शिव दुर्गा मंदिर, केनेरा बैंक ए.टी.एम. के पास सडडू, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)** के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन एवं विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34597/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34597
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108F0297B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VINOD KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE.HARAKH CHAND SHETHIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI JITENDRA EKKA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BONIFAS EKKA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34598/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34598
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108F0297A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. PUSHPA BEN , SHASHIKANT, BASANT VINOD S/O LATE HARAKHCHAND JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **...** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI VISHAL VAJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O VINOD VAJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34596/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34596
वार्ड का नाम- 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **15** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108B00375** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **B. RAM KRISHNA SWAMY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O B. VRINDAVANAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **B. SATYANARAYAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE. B. RAM KRISHNA SWAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34739/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34739
वार्ड का नाम-40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **40** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569F00424** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANITA GUPT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AJAY SANJAY GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUNITA MAUAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJNISH MAUAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34741/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34741
वार्ड का नाम-40- पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **40** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569E00483** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHIVNARAYAN KHOTELE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SAKHAN KHOTELE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJESH KHOTELE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIV NARAYAN KHOTELE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34829 /न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34829
वार्ड का नाम-42- महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **42** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR561D00352** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **LAXMI NATH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SALIK RAM SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. DEVKI SONKAR W/O LATE. LAXMI NATH SONKAR 2. BHARTI SONKAR D/O LATE. LAXMINATH SONKAR 3. TILAK RAM SONKAR S/O LATE. LAXMI NATH SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **ADHAR, TAX RASHID, SAHMATI PATRA, DEATH CERTIFICATE, NAMANTARAN** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34815/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34815
वार्ड का नाम-67- भक्त कर्मामाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **67** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567E0461B** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMANAND SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AGYAT SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRIKA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMANT SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34740/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34740
वार्ड का नाम-40- पं. दीन दयाल उपाध्याय वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **40** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569D00523** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROOP LAL SAHU, DHAN SINGH SAHU, REKHA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROOP LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHISH PODDAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHELENDRA KUMAR PODDAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34776/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34776
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109D00319** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HIRA BAI 2. PEELA KUMARI W/O HARIRAM DHRUW** पिता/पति, श्री/श्रीमती **01. W/O MAIKURAM THAKUR 02. W/O HARIRAM DHRUW** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DORELAL NIRMALKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O NAND KUMAR NIRMALKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34774/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34774
वार्ड का नाम- 17 ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109E00135** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VIMAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **THAKUR RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DURGA KESHRWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O DEEPAK KESHRWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./34777/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34777
वार्ड का नाम- 16 वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **16** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107K00155** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JANKI CHATURVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOTILAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHESH KUMAR CHATURVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MOTILAL CHATURVEDI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **01.SHAPAT PATRA 02.DEATH CERTIFICATE 03. SAHMATI PATRA 04.TAX RASHID KE AADAR** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /34830/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 25-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34830
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **20** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802D01035** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHESH KAR VO VIJAY KAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PRAFULL KAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **CHANDRAKALA PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HEMANT KUMAR PATEL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./33578/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 21-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 33578
वार्ड का नाम-37 - शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **37** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **PRR516E00139** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NAREDRA SONKAR JAI PRAKASH SONKAR S/O LATE MOHAN LAL SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE MOHAN LAL SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KESHAR SONKAR, JAIPRAKASH SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE NARENDRA SONKAR, MOHANLAL SONKAR** त्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सुबह से शाम तक मैदान में दाती रहीं कलेक्टर

औद्योगिक इकाई से लेकर एकलव्य विद्यालय तक परखी जमीनी हकीकत

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज जिले का सघन दौरा करते हुए शासकीय कार्यालयों, योजनाओं एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। दौरे की शुरुआत नयनपुर स्थित औद्योगिक परिक्षेत्र से हुई, जहां उन्होंने 10 मेगावाट के पावर प्लांट, सरिया निर्माण यूनिट तथा ब्रेड निर्माण इकाई का निरीक्षण किया।

पावर प्लांट की कार्यप्रणाली, रॉ मटेरियल एवं मशीनरी को बारीकी से समझते हुए उन्होंने संचालन में आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। सरिया यूनिट में उत्पादन प्रक्रिया की पड़ताल कर उन्होंने अधिकारी-कर्मचारियों तथा संचालक को दिशा-निर्देशित किया, वहीं ब्रेड निर्माण इकाई में स्थापित मशीनों, उत्पादन लागत, आपूर्ति व्यवस्था तथा स्थानीय स्तर पर सृजित रोजगार के अवसरों पर चर्चा करते हुए स्वच्छता के कड़े मानकों के साथ उत्पादन करने पर बल दिया।

इसके पश्चात कलेक्टर प्रशासनिक अमले के साथ भैयाथान पहुंचीं, जहां सबसे पहले तहसील एवं अनुविभागीय कार्यालय का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्वयं कंप्यूटर सिस्टम पर लंबित प्रकरणों की स्थिति खंगाली तथा फाइलों की पड़ताल की। निराकरण की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने समय-सीमा के भीतर प्रकरण निपटाने की सख्त हिदायत दी।

खाद्य एवं दाण्डिक शाखा तथा नकल शाखा में प्राप्त आवेदनों और पंजी का अवलोकन करने के साथ ही अभिलेखागार के अभिलेख भी देखे तथा कार्यालय पहुंचे आमजन से व्यवस्थाओं पर सीधी प्रतिक्रिया ली। तहसील न्यायालय में आरबीसी 6-4 के प्रकरणों की समीक्षा कर उन्होंने शीघ्र निराकरण, पात्र हितग्राहियों को जन्म प्रमाण पत्र जारी करने तथा आधार पंजीयन में निर्धारित शुल्क का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

जनपद कार्यालय में उपस्थिति पंजी देखने के उपरांत कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ स्वान कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति, राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान की गतिविधियों तथा विकसित भारत जी रामजी योजना के कार्यों की समीक्षा की। लंबित आवास शीघ्र पूर्ण कराने और हितग्राहियों को समय पर किश्त जारी करने के साथ परिसर की स्वच्छता बनाए रखने पर उन्होंने विशेष जोर दिया। शासकीय उचित मूल्य राशन दुकान में उपलब्ध स्टॉक का मिलान करते हुए उन्होंने वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बरतने की हिदायत दी।

तत्पश्चात भैयाथान स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उन्होंने मरीजों से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा बच्चों के पोषण एवं उपचार की स्थिति परखी। शिशुवती माताओं से आत्मीय चर्चा करते हुए उन्होंने शिशु देखभाल संबंधी व्यावहारिक सुझाव साझा किए और चिकित्सा अमले को निर्देशित किया कि प्रत्येक माता को बच्चों की देखभाल का सही तरीका अवश्य समझाया जाए।

ग्राम पंचायत तरका में जल संचय से जुड़े कार्यों का अवलोकन कर कलेक्टर ने किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में ठोस कार्ययोजना बनाकर नवाचारों को अपनाया जाए। दौरे के अंतिम चरण में उन्होंने एकलव्य मॉडल रेसीडेंसियल स्कूल ओड़गी का निरीक्षण कर विद्यार्थियों की दर्ज संख्या की जानकारी ली और उनसे खेल गतिविधियों पर बातचीत की, जिस पर विद्यार्थियों ने बताया कि यहां खेलकूद के साथ योग जैसी गतिविधियां भी नियमित रूप से कराई जाती हैं। एकलव्य आवासीय बालिका छात्रावास एवं वहां संचालित रसोई का अवलोकन करते हुए उन्होंने साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, एसडीएम श्रीमती चांदनी कंवर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेजेस उच्च माध्यमिक विद्यालय केतका के बच्चियों ने साइकिल पा कर प्रशांत जाहिर की

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत सूरजपुर जिले के ग्राम केतका के स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती साइकिल वितरण योजना के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अर्जुन देवांगन थे । कक्षा नवमी की नवीन 35 छात्राओं को साइकिल वितरित किया गया इस अवसर पर अतिथि अर्जुन देवांगन ने कहा कि इस योजना से दूर दराज गांव से विद्यालय आने वाले छात्राओं को कोई दिक्कत न हो आने जाने में बड़ी राहत मिलेगी । यह योजना पूर्ववर्ती डॉ रमन सिंह की सरकार द्वारा शुरू की गई थी इससे छात्राएं लाभान्वित हो रही है और उनकी शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ा है घर से स्कूल की दूरी कम होने से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और उपस्थिति में वृद्धि होगी । स्कूल के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि केतका के आसपास 6 से 7 किलोमीटर के गांव से छात्राएं अध्ययन के लिए आती हैं साइकिल मिलने से अब उनके समय की बचत होगी और वे नियमित स्कूल आ सकेंगी । ग्राम केतका के उप सरपंच बाबूलाल ने भी अपने उद्बोधन में सभी छात्राओं को इस योजना का लाभ लेकर प्रतिदिन विद्यालय आने तथा अच्छे से अध्ययन करने को प्रोत्साहित किया । शाला प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष ने भी बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की इस योजना का लाभ पर प्रकाश डाला।

उक्त कार्यक्रम में केतका ग्राम के सरपंच , उप सरपंच , पंच , शाला प्रबंधन समिति के सदस्यगण , सेजेस केतका के समस्त स्टाफ प्रमुख रूप से उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता उग्रसेन प्रसाद केसरी ने किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में व्याख्याता व उड़ीसा प्रांत के प्रसिद्ध पंडित प्रदीप कुमार त्रिपाठी , व्याख्याता क्रमशः श्रीमती एम एस सांडिल्य , दुर्गा प्रसाद , दिनेश कुमार सिंह , अरुण कुमार विश्वकर्मा , श्रीमती सरस्वती सिंह , हीरालाल तथा समस्त विद्यालय परिवार का योगदान प्रशंसनीय था।

चार करोड़ से अधिक की गांजा जप्ती के मामले जयनगर पुलिस ने फरार आरोपी को एम पी के कटनी में धर दबोचा

पूर्व में 6 आरोपियों हो चुके गिरफ्तार

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर जिला के जयनगर पुलिस ने चार जून.2026 को सूचना प्राप्त हुई थी कि अंबिकापुर की ओर से मनेन्द्रगढ़ की ओर जा रही नीलम बस क्रमांक सीजी 15 ईएच 4301 में घुमन्तु किस्म के महिला पुरूष बैठे है सभी लोग अपने साथ बोरी, कपडे से बंधे गठरी में अवैध मादक पदाथ गांजा एवं गठरी के उपर झाडू बांध कर रखे है और कही बिक्री करने हेतु बस बुकिंग कर लेकर जा रहे है। पुलिस टीम रेड कार्यवाही कर सिलफिली पहुंची जो बस के ड्राईवर सीट में चालक तथा बस के अंदर में 06 महिलाये बैठी हुई मिली जिनके संयुक्त कब्जे से मादक पदार्थ गांजा बस के सीट लोवर, उपर स्लीपर सीट में रखा 53 बोरी, कपड़े साड़ी में बंधा गठरी में जिसके उपर झाडू बंधा था जिनमें कुल 848 किलो 650 ग्राम गांजा पाया गया। मामले में 848 किलो 650 ग्राम गांजा कीमत करीब 4 करोड़ 24 लाख रूपये, 478 नग झाड़ू, परिवहन में प्रयुक्त बस व 1 नग मोबाईल जप्त कर आरोपी (1) गोल झरनी (2) उनर बाई (3) रूजीना (4) अटरिया (5) अन्टबाई (6) पेहरी बाई (7) छोटन राम (बस चालक) के विरूद्ध अपराध क्रमांक 140/2026 धारा 20(बी), (आईआई), (सी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया था। मामले में फरार अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने प्रकरण में इण्ड टू इण्ड विवेचना कर फरार आरोपियों की हरसंभव पतासाजी कर उन्हें पकड़ने के निर्देश दिए थे। थाना जयनगर पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान नई तकनीकी संसाधनों की मदद ली जिसके आधार पर आरोपी जाजोन सिंह को बरही कटनी मध्यप्रदेश में होने की पुख्ता जानकारी मिली जिसके बाद पुलिस टीम विधिवत् कटनी मध्यप्रदेश के लिए रवाना हुई और ग्राम खिरहनी बरही जिला कटनी में घेराबंदी कर आरोपी जाजोन पारधी पिता कदम पारधी उम्र 39 वर्ष निवासी खिरहनी थाना बरही जिला कटनी (मध्यप्रदेश) को पकड़ा और माननीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त कर आरोपी को थाना जयनगर लाया गया। पूछताछ पर आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया जिसे विधिवत् 24अगस्त.2026 को गिरफ्तार किया गया है। मामले में इण्ड-टू-इण्ड विवेचना जारी और फरार अन्य आरोपियों को पतासाजी की जा रही है। इस कार्रवाई में नव पदस्थ थाना प्रभारी जयनगर अमित गुप्ता, एसआई सोहन सिंह, प्रधान आरक्षक रजिन्दर एक्का, आरक्षक जितेन्द्र साहू, हरि सिंह सक्रिय रहे।

बच्चों के बीच पहुंची सूरजपुर कलेक्टर चॉकलेट बांटी और नन्हे-मुन्नों से की वार्तालाप

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- सूरजपुर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने भैयाथान विकासखंड की ग्राम पंचायत तरका में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र तरका-ब का निरीक्षण किया। जहां पद की औपचारिकता से परे उन्होंने बच्चों के बीच दर्री पर बैठकर आत्मीय संवाद किया और उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट वितरित की। कलेक्टर का यह सहज अंदाज नन्हे बच्चों को खूब भाया और पूरा केंद्र उत्साह से भर उठा।

कलेक्टर के आग्रह पर बच्चों ने हिंदी एवं अंग्रेजी वर्णमाला सुनाई। बिना किसी झिझक के आत्मविश्वास से भरी इस प्रस्तुति पर कलेक्टर सहित उपस्थित अधिकारियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई, खेलकूद तथा केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी बातचीत की और उनकी बातें बड़े धैर्य से सुनीं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने एक बच्चे का वजन कराकर उसके पोषण स्तर की जानकारी ली तथा पोषण ट्रैकर एप का अवलोकन करते हुए बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों को रोचक और सहज तरीके से सीखने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तथा पोषण संबंधी गतिविधियों का संचालन पूरी प्रभावशीलता के साथ किया जाए।

कलेक्टर से हुए संवाद के बाद बच्चे बेहद उत्साहित नजर आए और उन्होंने श्रीमती जमील से दोबारा आने का आग्रह भी किया। बच्चों की आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति से प्रसन्न होकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेन्द्र सिंह पाटले ने उन्हें सामूहिक रूप से पुरस्कृत किया। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एक जैसी फर्टिलिटी समस्या में आईवीएफका नतीजा अलग क्यों हो सकता है?

हर आईवीएफसाइकल एक जैसी नहीं होती। डॉ. नमिता चंद्रा वर्मा, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, रायपुर का कहना है कि एक ही महिला में भी दो अलग-अलग साइकल के परिणाम अलग हो सकते हैं, भले ही फर्टिलिटी से जुड़ी समस्या वही हो। एक साइकल में ओवरी से उम्मीद से कम एग्स मिल सकते हैं, फर्टिलाइजेशन कम हो सकता है, एम्ब्रियो का विकास अलग तरह से हो सकता है या एम्ब्रियो ट्रांसफर के बाद गर्भधारण नहीं हो सकता। इसका मतलब यह जरूरी नहीं कि पहले की गई समस्या की पहचान गलत थी। पिछली साइकल से यह समझने में मदद मिल सकती है कि शरीर ने ट्रीटमेंट के प्रति किस तरह प्रतिक्रिया दी और अगली साइकल की योजना बनाते समय किन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। समस्या की पहचान शुरुआत बताती है, लेकिन ट्रीटमेंट के प्रति शरीर की प्रतिक्रिया पहले से तय नहीं होती कम ओवेरियन रिजर्व, पीएमओएस (जिसे पहले पीसीओएस कहा जाता था) , एंडोमेट्रियोसिस या पुरुष पार्टनर से जुड़ी फर्टिलिटी समस्या जैसी स्थितियां डॉक्टर को शुरुआती ट्रीटमेंट प्लान तय करने में मदद करती हैं। लेकिन पहली आईवीएफ साइकल से पहले यह पूरी तरह पता लगाना संभव नहीं होता कि कितने फॉलिकल्स स्टिम्युलेशन का जवाब देंगे, कितने एग्स प्राप्त होंगे, उनमें से कितने परिपक्व होंगे, फर्टिलाइजेशन कैसा रहेगा या एम्ब्रियो का विकास किस तरह होगा। इसीलिए आईवीएफ साइकल के दौरान मिली जानकारी आगे के ट्रीटमेंट के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकती है।

पीएम राहत योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण संपन्न

गोल्डन आवर में त्वरित उपचार पर दिया गया जोर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं दुर्घटना पीड़ितों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल की अध्यक्षता में आयोजित इस आयोजन में विभागीय समन्वय को मजबूत बनाकर पीड़ितों का त्वरित उपचार सुनिश्चित कराने पर बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री योगेश पटेल ने कहा कि पीएम राहत योजना का मूल उद्देश्य किसी भी दुर्घटना पीड़ित को तत्काल उपचार एवं राहत सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के समय चिकित्सक और पुलिस फर्स्ट रिस्पॉन्डर की भूमिका में होते हैं, इसलिए उनका दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि दुर्घटना की स्थिति में वीडियो बनाने के बजाय घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में सहयोग करें, क्योंकि मानवीय संवेदनशीलता और त्वरित

मदद से किसी की जान बचाई जा सकती है।

गोल्डन आवर के महत्व को रेखांकित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि दुर्घटना के तुरंत बाद का समय उपचार की दृष्टि से सबसे निर्णायक होता है और इस अवधि में उचित इलाज मिल जाने पर घायल का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल पीड़ितों को गोल्डन आवर में बिना किसी विलंब के अस्पताल में भर्ती कर अधिकतम 07 दिनों तक प्रति व्यक्ति 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यशाला में एनआईसी के डीआईओ श्री रोहन सिंह ने पीएम राहत योजना की रूपरेखा से अवगत कराया, वहीं डीआरएम श्री जयप्रकाश मेश्राम ने योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ई-डार पोर्टल की क्रमवार प्रक्रिया समझाई ताकि प्रशिक्षणार्थी हैंड्स-ऑन अनुभव प्राप्त कर सकें। बताया गया कि पीएम राहत योजना एवं ई-डार का प्रमुख लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ कराना है। इस अवसर पर पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग को बेहतर तालमेल के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक दुर्घटना पीड़ित तक समय पर इलाज पहुंचाने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में एसडीओपी श्री अभिषेक पैकरा, समस्त थाना प्रभारी एवं विवेचक, सीसीटीएनएस ऑपरेटर सहित परिवहन, हाईवे तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा और जेड फोल्ड8 की कीमतें बढ़ सकती हैं, मेमोरी की बढ़ती कीमत बनी वजह

देश के प्रमुख रिटेलर्स के मुताबिक सैमसंग के नए फोल्डेबल स्मार्टफोन गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेडफ्लिप8 की कीमतें भारत में जल्द बढ़ सकती हैं। इन सैमसंग फोल्डेबल फोन की कीमत 1.25 लाख से 2.6 लाख रुपये के बीच है, और ये अब तक का सबसे बेहतरीन फोल्डेबल एक्सपीरियंस देते हैं, जिसमें खास तौर पर बनाया गया गैलेक्सी एआई और हिंज डिजाइन, डिस्प्ले, मजबूती व परफॉर्मेंस में की गई बड़ी इंजीनियरिंग तरक्की शामिल है। खुलने पर सिर्फ 4.1 मिमी मोटाई के साथ गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा सैमसंग का अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी जेड फोल्ड फोन है। वहीं दूसरी तरफगैलेक्सी जेड फोल्ड8 का वजन सिर्फ 201 ग्राम है, जिससे यह सैमसंग का अब तक का सबसे हल्का फोल्ड फोन बन जाता है। सैमसंग इंडिया के मुताबिक गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेडफोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 को भारत में रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर मिले हैं, जिसमें लॉन्च के सिर्फ 72 घंटों के भीतर करीब 2.71 लाख लोगों ने इन स्मार्टफोन के लिए प्री-ऑर्डर किया। इस महीने की शुरुआत में इन डिवाइस की बिक्री तेजी से शुरू हुई थी, लेकिन रिटेलर्स को डर है कि जल्द ही कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि स्मार्टफोन के लिए एक अहम कंपोनेंट माने जाने वाले मेमोरी चिप की मांग पहले कभी इतनी नहीं रही। सैमसंग ने पिछले महीने कहा था कि वह ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए स्मार्टफोन की बढ़ती लागत के बड़े हिस्से का बोझ खुद उठा रही है। कंपनी ने भारत में गैलेक्सी जेड फोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 खरीदने वालों के लिए एक लंबी अवधि की जीरो कॉस्ट ईएमआई भी शुरू की है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जे बी पार्क ने लंदन में नए गैलेक्सी फोल्डेबल फोन के लॉन्च पर कहा, अगर आप देखें कि प्रतिस्पर्धी कंपनियों ने अपनी कीमतें कितनी बढ़ाई हैं, तो सैमसंग की बढ़ोतरी उनके मुकाबले काफी कम है, क्योंकि हम खुद यह बढ़ी हुई लागत उठा रहे हैं। ऐसा हम इसलिए नहीं कर रहे कि हम अपनी बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना चाहते हैं या उसे बढ़ाना चाहते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि हम एक ऐसी कंपनी हैं जिसका ध्यान सबसे बेहतरीन डिवाइस देने पर है, और इसके लिए 2026 में हम जो नुकसान उठा रहे हैं, वह बहुत बड़ा है। जानकारों का कहना है कि अगर सैमसंग भारत में अपने नए गैलेक्सी जेडफोल्ड8 अल्ट्रा, गैलेक्सी जेड फोल्ड8 और गैलेक्सी जेड फ्लिप8 स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ाती है, तो उन्हें कोई हैरानी नहीं होगी। रिसर्च फर्म स्मार्ट एनालिटिक्स ग्लोबल के मुताबिक दुनिया भर में मेमोरी की कीमतों को लेकर चल रहे संकट की वजह से भारत में स्मार्टफोन बाजार पर दबाव बना रहेगा। रिसर्च फर्म ने आगे बताया कि बाजार में पहले से बिक रहे स्मार्टफोन की कीमतें भी बढ़ेंगी, और नए स्मार्टफोन भी पहले से महंगी कीमत के साथ लॉन्च हो सकते हैं। रिटेलर्स ने आगे कहा कि मेमोरी चिप्स की आपूर्ति का संकट और गहराता जा रहा है, इसलिए ग्राहकों के लिए अधिक उपयुक्त होगा कि वे त्योहारी सीजन के डिस्काउंट का प्रतीक्षा करने के बजाय अभी ही स्मार्टफोन और लैपटॉप खरीद लें।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने ADV160 और रेबेल 300 की कीमतों की घोषणा की

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने आज नई होंडा ADV160 और होंडा रेबेल 300 की कीमतों की घोषणा की, जो जुलाई 2026 में पेश किए जाने वाले 10-प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का पहला फेज़ है। एचएमएसआई के हाल ही में पेश किए गए प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के पहले प्रोडक्ट के तौर पर, ADV160 और रेबेल 300 भारत में होंडा की मल्टी-पाथवे प्रोडक्ट स्ट्रैटेजी को दिखाते हैं। एडवांस्ड मोबिलिटी टेक्नोलॉजी, फ्लेक्स-फ्यूल इनोवेशन और अलग लाइफस्टाइल एक्सपीरियंस के ज़रिए, ये मॉडल भारतीय राइडर्स की बदलती उम्मीदों को पूरा करते हुए कस्टमर की पसंद को बढ़ाते हैं। होंडा ADV160 की कीमत 1,70,000 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) रखी गई है और यह होंडा रेडविंग और बिगविंग डीलरशिप पर मिलेगी। ADV160, एचएमएसआई की मल्टी-पाथवे मोबिलिटी स्ट्रैटेजी के तहत पेश किया गया पहला फ्लेक्स-फ्यूल स्कूटर है। यह भारत में एडवेंचर-स्कूटर मोबिलिटी की एक नई कैटेगरी बनाता है, साथ ही E85 तक फ्यूल कम्पैटिबिलिटी, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और रोज़ाना की प्रैक्टिकैलिटी को भी जोड़ता है। होंडा रेबेल 300 के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 2,22,000 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) और E-क्लच वेरिएंट की कीमत 2,62,000 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) रखी गई है। यह खास तौर पर होंडा बिगविंग डीलरशिप पर मिलेगा। रेबेल 300, होंडा के लाइफस्टाइल मोटरसाइकिल पोर्टफोलियो को एक ग्लोबली इंस्पायर्ड क्रूजर के साथ बढ़ाता है जो खास स्टाइल और कैरेक्टर को बनाए रखते हुए क्रूजर ओनरशिप में आसान एंट्री देता है। भारत में बना, यह भारतीय राइडर्स की एक बड़ी रेंज के लिए ग्लोबल क्रूजर अपील लाता है। दोनों मॉडलों के लिए बुकिंग अब 5,000 में शुरू हो गई है। कस्टमर एचएमएसआई वेबसाइट या संबंधित ऑथराइज्ड डीलरशिप पर बुकिंग कर सकते हैं। डिलीवरी अक्टूबर 2026 के बीच से शुरू होगी।

संपादकीय

यूजर्स पर अनावश्यक बोझ

मोदी सरकार उचित ही यूपीआई की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। अब यह समझना कठिन है कि अपनी इस कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है? केंद्र ने संसद से वह विधेयक पारित करवा लिया है, जिसके बाद बैंकों को यूपीआई पेमेंट पर फीस लगाने का अधिकार देने का रास्ता खुल गया है। यह आपत्तिजनक पहल है। नरेंद्र मोदी सरकार उचित ही यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस की सफलता को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती आई है। मोदी सरकार रुपे कार्ड की शुरुआत कर स्वदेशी भुगतान की एक और महत्त्वपूर्ण पहल करने में सफल रही थी। अब यह समझना कठिन है कि अपनी बड़ी कामयाबी को पलटने का रास्ता वह क्यों तैयार कर रही है? सरकार ने खुद कहा है कि बड़े लेनदेन कारोबारियों से बैंकों को भुगतान फीस वसूलने का अधिकार दिया जा सकता है। सरकार का दावा है कि इससे महज पांच प्रतिशत यूजर प्रभावित होंगे। यानी आम भुगतानकर्ताओं पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मगर, व्यवहार में इसे सुनिश्चित करना शायद संभव नहीं होगा। वेंडर्स यूजर्स पर उन शुल्कों को ट्रांसफर ना करें, इसकी गारंटी करना बेहद कठिन साबित होगा। नतीजतन, फीस का चलन लागू होने के बाद व्यवहार में असल में यह होगा कि लोग नकदी लेनदेन या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने की दिशा में लौटेंगे। यह सरकार की घोषित प्राथमिकताओं के खिलाफ होगा। वैसे भी, जब सरकार यह सिस्टम चलाने के लिए हर साल डेढ़ से दो हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी बैंकों को दे रही है, तो फिर बैंकों को फीस लेने की आजादी देने का क्या तर्क हो सकता है? ऐसे प्रश्नों का सटीक उत्तर मौजूद ना होने के कारण ही इस संदेह को हवा मिली है कि इस फैसले के पीछे अमेरिकी दबाव की भूमिका है। यूपीआई और रुपे कार्ड के चलन में आने से अमेरिकी कंपनियों- मास्टरकार्ड, वीजा, अमेरिकन एक्सप्रेस आदि के भारत में मौजूद बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब कहा जा रहा है कि उन कंपनियों के हित में भारत पर अमेरिका के ट्रंप प्रशासन का परोक्ष दबाव पड़ा है। मुमकिन है कि ऐसी बातों में कोई दम ना हो। मगर खुद मोदी सरकार ने भारतीय कारोबारियों और यूजर्स पर अनावश्यक बोझ डालने की तैयारी कर ऐसी चर्चाओं की जमीन तैयार की है।

शिक्षा का अधिकार बने राष्ट्रीय संकल्प

अनुज आचार्य

सही सोच, स्पष्ट नीति और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही भारतीय उच्च शिक्षा वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकती है। शिक्षा को हर बच्चे के अधिकार के रूप में देखना चाहिए भारत की शिक्षा व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। देश में करीब 14.7 लाख स्कूलों और उच्च शिक्षा का विशाल नेटवर्क है, जिसमें 1200 से अधिक विश्वविद्यालय और करीब 53600 महाविद्यालय शामिल हैं। इनमें लगभग 546 निजी, 513 राज्य, 56-57 केंद्रीय और 150 डीम्ड विश्वविद्यालय हैं, जो देश की व्यापक उच्च शिक्षा व्यवस्था को दर्शाते हैं। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने शिक्षा को अधिक समावेशी, रोजगारपरक, कौशल आधारित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलावों की शुरुआत की है। 2024-25 के यूडीआईएसई आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर करीब 6.18 करोड़ विद्यार्थियों के नामांकन के मुकाबले माध्यमिक स्तर पर यह संख्या घटकर लगभग 2.36 करोड़ और उच्च माध्यमिक स्तर पर करीब 1.64 करोड़ रह गई है। संसद की प्राक्कलन समिति ने 12 अगस्त 2026 को लोकसभा में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते लगभग 73 प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं, जिससे उच्च कक्षाओं में नामांकन में भारी गिरावट आई है। समिति ने इसके पीछे विद्यालयों की कमी, स्कूलों की दूरी, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक परिस्थितियां और शिक्षा की बढ़ती लागत जैसे अनेक कारण गिनाए हैं। आंकड़े बताते हैं कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या जहां लगभग 9.11 लाख है, वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय करीब 4.12 लाख, माध्यमिक विद्यालय लगभग 1.61 लाख और उच्च माध्यमिक विद्यालय केवल 90866 हैं। फिर भी यदि बच्चा स्कूल तक पहुंच ही नहीं पा रहा है तो आधुनिक पाठ्यक्रम और नई परीक्षा प्रणाली का लाभ उसे कैसे मिलेगा? शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय भी इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एनईपी 2020 में शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के छह प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि संयुक्त केंद्र-राज्य व्यय अभी करीब 4.1 प्रतिशत के

आसपास है। संसदीय समिति ने शिक्षा बजट में हर वर्ष कम से कम 10 प्रतिशत की आधारभूत वृद्धि के साथ एक समयबद्ध वित्तीय रोडमैप बनाने की सिफारिश की है। केंद्रीय बजट 2026-27 में शिक्षा मंत्रालय को लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 8.27 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि स्वागतयोग्य है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक उपलब्धता, प्रशिक्षण, पाठ्य पुस्तकों की समय पर आपूर्ति और आधारभूत सुविधाओं पर भी समान ध्यान देना होगा। देश के करीब 14.71 लाख स्कूलों में दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुकूल शौचालय और रैंप जैसी सुविधाएं अभी भी सीमित हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार केवल करीब 5.23 लाख स्कूलों में दिव्यांग-अनुकूल शौचालय और लगभग 8.08 लाख स्कूलों में रेलिंग वाले रैंप हैं। इसका अर्थ है कि बड़ी संख्या में विद्यालयों में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं अभी अधूरी हैं। दूसरी ओर, शिक्षा को रोजगार से जोडऩा भी समय की आवश्यकता है। केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं में रोजगार योग्यता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, डिजिटल कौशल, कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करना होगा। एनईपी में कौशल विकास पर जोर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं तथा उद्योगों से प्रभावी साझेदारी आवश्यक होगी। इस संदर्भ में हिमाचल प्रदेश की स्थिति अपेक्षाकृत उत्साहजनक है। परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स यानी पीजीआई 2.0 के अनुसार प्रदेश ने सरकारी स्कूल शिक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और समग्र स्तर पर देश में छठा स्थान हासिल किया है। राज्यों की श्रेणी में प्रदेश को तीसरा स्थान मिलना भी सम्मान की बात है। पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई, 156 सरकारी स्कूलों का सीबीएसई से जुडऩा और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों की पहल राज्य में शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसलिए यहां केवल नए स्कूल खोलने के बजाय मौजूदा विद्यालयों को पर्याप्त शिक्षक, परिवहन, छात्रावास, डिजिटल सुविधाएं और विज्ञान-तकनीक की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना अधिक उपयोगी हो सकता है। दरअसल, बारहवीं तक पहुंचते-पहुंचते विद्यार्थियों की संख्या में इतनी बड़ी गिरावट को केवल ड्रॉपआउट का आंकड़ा मानकर आगे बढ़ जाना उचित नहीं होगा। इसके पीछे गरीबी, स्कूल की दूरी, परिवहन, बाल श्रम, पारिवारिक जिम्मेदारियां, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव जैसे अनेक कारण छिपे हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा नीति का केंद्र केवल स्कूलों की संख्या, बजट और परीक्षाओं तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक बच्चे को बारहवीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा की निरंतर कड़ी मजबूत किए बिना विकसित भारत का लक्ष्य अधूरा रहेगा। आखिर देश का भविष्य केवल उन बच्चों से नहीं बनेगा जो स्कूल में प्रवेश लेते हैं, बल्कि उनसे बनेगा जो बिना किसी बाधा के बारहवीं तक पहुंचकर अपने सपनों को आकार दे पाते हैं। 2024-25 के यूडीआईएसई आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर करीब 6.18 करोड़ विद्यार्थियों के नामांकन के मुकाबले माध्यमिक स्तर पर यह संख्या घटकर लगभग 2.36 करोड़ और उच्च माध्यमिक स्तर पर करीब 1.64 करोड़ रह गई है। संसद की प्राक्कलन समिति ने 12 अगस्त 2026 को लोकसभा में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते लगभग 73 प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं, जिससे उच्च कक्षाओं में नामांकन में भारी गिरावट आई है। समिति ने इसके पीछे विद्यालयों की कमी, स्कूलों की दूरी, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक परिस्थितियां और शिक्षा की बढ़ती लागत जैसे अनेक कारण गिनाए हैं। आंकड़े बताते हैं कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या जहां लगभग 9.11 लाख है, वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय करीब 4.12 लाख, माध्यमिक विद्यालय लगभग 1.61 लाख और उच्च माध्यमिक विद्यालय केवल 90866 हैं। फिर भी यदि बच्चा स्कूल तक पहुंच ही नहीं पा रहा है तो आधुनिक पाठ्यक्रम और नई परीक्षा प्रणाली का लाभ उसे कैसे मिलेगा ?इसी बीच 80वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्वसंध्या पर राष्ट्र के नाम संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू का कहना था कि, परीक्षा सुधारों के लिए सरकार बड़े कदम उठा रही है और विद्यार्थियों के हित में परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और बेहतर बनाया जा रहा है। इसलिए यह ध्यान रखना जरूरी है कि विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय केवल अधिक धन और सुविधाओं से नहीं बनते, बल्कि योग्य लोगों का चयन, शैक्षणिक स्वतंत्रता, जवाबदेही, बेहतर नेतृत्व और नए प्रयोगों की संस्कृति से बनते हैं। सही सोच, स्पष्ट नीति और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ही भारतीय उच्च शिक्षा वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना सकती है। अंततः शिक्षा को सरकारी योजना नहीं, बल्कि हर बच्चे के अधिकार, अवसर और भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय संकल्प बनाकर ही भारत ज्ञान, कौशल और प्रतिभा की वैश्विक शक्ति बन सकता है।

आलेख

सिद्धांत सरकार, संगठन में चलता है

अजीत द्विवेदी

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद 209 दिन तक चले मंथन से भाजपा का संगठन चलाने के लिए जो 'रत्न' चुने गए हैं उनको देख कर कतई हैरानी नहीं हुई। अगर भाजपा संगठन में ऐसे पदाधिकारी नहीं चुने जाते या टीम ऐसी ही नहीं बनती तो हैरानी होती। ध्यान रहे जब कोई पार्टी सरकार में होती है तो उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष या संगठन का कोई खास महत्व नहीं रह जाता है। फिर भी भाजपा चूंकि संगठन वाली पार्टी मानी जाती है इसलिए एक कवायद दिखाई जाती है। उस कवायद से जो टीम बनी है वह बिल्कुल वैसी ही है, जैसी टीम पिछले एक दशक से सरकार और संगठन में बनाई जा रही है। दोनों जगह किसी अन्य चेहरे की जरुरत नहीं है। सरकार में नरेंद्र मोदी और संगठन में अमित शाह का ही मतलब है। बाकी सबको दिए गए निर्देशों का पालन करना होता है। यह नई टीम भी इसी सिद्धांत को व्यवहार रूप में प्रतीकित कर रही है। ध्यान रहे पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भाजपा में यह सिद्धांत अपना लिया गया है कि अगर कोई नेता अपने दम पर या अपनी काबिलियत के दम पर बड़ा बना है, अपना नाम बनाया है, राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है, राष्ट्रीय दृष्टि रखता है तो उसको हाशिए में डालना है। इसके एकाध अपवाद हो सकते हैं। लेकिन यही सिद्धांत सरकार में चलता है, संगठन में चलता है और यहां तक कि चुनाव लड़ने में भी इसे ही लागू किया जाता है। बिल्कुल अनजान चेहरों को चुन कर आगे किया जाता है। लोकसभा और विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाता है या राज्यसभा और विधान परिषद में भेजा जाता है। इनमें से ज्यादातर लोग विधायी कामकाज में क्या योगदान करते हैं यह बता पाना उनके खुद के लिए भी मुश्किल ही होगा। राजनीति के रंगमंच पर अपनी संक्षिप्त भूमिका निभा कर थोड़े समय के बाद ये चेहरे नेपथ्य में चले जाते हैं। फिर उनके बारे में किसी को पता नहीं चलता। लेकिन शुरुआत में जब इन्हें लाया जाता है तो प्रचार यह होता है कि बिल्कुल जमीनी स्तर से नेता खोजा गया है। असल में ऐसे नेताओं की कोई जमीन नहीं होती है। इसलिए वे बाद में जमीन पर दिखाई नहीं देते हैं। इस बार भी ऐसे दर्जनों 'जमीनी नेता' पार्टी के पदाधिकारी बनाए गए हैं। हालांकि इनमें से ज्यादातर की कोई खास भूमिका नहीं रहेगी और थोड़े समय के बाद ये लोग कहां चले जाएंगे, वह किसी को पता नहीं चलेगा। कुछ चुनिंदा लोग, जो पहले से संगठन का काम कर रहे हैं या कुछ ऐसे लोग, जिनको वापस संगठन में लाया गया है, वे ही काम करेंगे और जब चुनाव आएंगे तो संगठन के पदाधिकारियों से अलग के कुछ अन्य लोग चुनावी कामकाज में लगाए जाएंगे। वो चेहरे अलग होते हैं। सो, 'जमीनी नेता' के नाम पर जो लोग संगठन में लाए गए हैं उनकी बात छोड़ दें तो कह सकते हैं कि यह एक कंजरवेटिव बदलाव है। कोई बड़ा प्रयोग करने से बचा गया है। महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने या 'जेन जी' को महत्व देने के दबाव को दरकिनार किया गया है। भरोसे के कुछ चेहरों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जहां से वे शीर्ष नेताओं के साथ मिल कर संगठन के लिए काम करेंगे। वर्षों तक संगठन में काम कर चुके राम माधव को वापस लाया गया है। ऐसे ही स्मृति ईरानी की वापसी हुई है। उपाध्यक्ष बना कर किनारे किए गए सौदान सिंह फिर से संयुक्त संगठन महामंत्री के तौर पर लाए गए हैं। बीएल संतोष और शिव प्रकाश की संगठन की जिम्मेदारी पहले जैसी ही रखी गई है। पिछले कई वर्षों से संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे विनोद तावड़े और सुनील बंसल को महामंत्री बनाए रखा गया है। तरुण चुघ महामंत्री पद से हटा दिए गए हैं लेकिन उनको पार्टी मुख्यालय का प्रभारी बना कर मुख्यधारा में रखा गया है। भाजपा ने नई टीम में क्षेत्रीय संतुलन बनाने का प्रयास किया है लेकिन स्पष्ट रूप से पलड़ा चुनावी राज्यों के पक्ष में झुका हुआ दिखाई दे रहा है। चार चुनावी राज्यों से 18 पदाधिकारी बनाए गए हैं। कुल 65 पदाधिकारियों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात से 18 पदाधिकारी हैं। महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने का दिखावा किया गया है फिर भी उनकी हिस्सेदारी 18 फीसदी तक ही पहुंच सकी है। कुल 12 महिलाओं को टीम में रखा गया है, जिनमें से छह उपाध्यक्ष हैं।

स्कूलों को कर दीजिए बरबाद फिर सारी समस्या समाप्त

हरिशंकर व्यास

जंतर मंतर पर 'जेन जी' का आंदोलन हुआ और सरकार बैकफुट पर आई तो उसके बाद आरएसएस में भी इसकी चर्चा शुरू हुई कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नौजवान इतने नाराज हैं। तब संघ के एक पदाधिकारी ने एक ऐसे बौद्धिक से बात की, जो राइटविंग के हैं लेकिन तार्किक विचार रखते हैं और वास्तविक अर्थों में बौद्धिक हैं। उनसे पूछा गया कि आखिर ऐसा क्या हुआ है कि नई पीढ़ी के युवा इतने नाराज हैं और सार्वजनिक रूप से ऐसी ऐसी बातें कह रहे हैं, जिनके बारे में कभी कल्पना नहीं की गई थी। उनका जवाब था, 'आपने कॉलेज बरबाद कर दिए, यूनिवर्सिटीज बरबाद कर दी, तकनीकी संस्थान बरबाद कर दिए, लेकिन स्कूल अभी तक बरबाद नहीं कर पाए हैं। स्कूलों को बरबाद कर दीजिए फिर सारी समस्या समाप्त हो जाएगी'। यह बात उन्होंने तंज के अंदाज में कही। उनका कहना था कि स्कूली शिक्षा का निजीकरण बहुत पहले हो चुका है और अब भी काफी स्कूल हैं, जो बहुत अच्छे हैं। वहां से पढ़ाई करके जो छात्र निकल रहे हैं और कॉलेज पहुंच रहे हैं उनके सामने अचानक शून्य आ जा रहा है। न फैकल्टी अच्छी है, न वाइस चांसलर अच्छे हैं, न रिसर्च की सुविधा अच्छी है, न लाइब्रेरी अच्छी है और किसी तरह से वहां एडजस्ट करें तो परीक्षा की पूरी व्यवस्था प्रदूषित हो गई है। वहां उनके अंदर फ्रस्ट्रेशन बढ़ना शुरू होता है। इसी का प्रकटीकरण जंतर मंतर पर हुआ या सोशल मीडिया में भी 'जेन जी' की नाराजगी के रूप में हो रहा है। इसका उपाय यही है कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर ही उनकी पढ़ाई लिखाई खराब कर दी जाए तो वे आगे भी शिकायत नहीं करेंगे। सो प्रधानमंत्री, संघ प्रमुख और केंद्र सरकार के मंत्रियों और राज्यों के नेताओं को पहले तो यह समझना होगा कि छात्र और युवा किस बात से नाराज हैं? वे इस बात से नहीं नाराज हैं कि उनको ठीक तरीके से समझा नहीं जा रहा है। वह समस्या हर पीढ़ी के साथ होती है। वे नाराज इसलिए हैं क्योंकि शिक्षा और परीक्षा दोनों का भट्ठा बैठ गया है। कोई भी परीक्षा बिना त्रुटि के नहीं हो रही है। उनका फ्रस्ट्रेशन इस बात को लेकर है कि नौकिरयों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। वैकेंसी नहीं आ रही है और आ भी रही है तो उसे भरने की प्रक्रिया इतनी लंबी हो जा रही है कि छात्रों की उम्र निकल जा रही है। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा के पेपर लीक हो रहे हैं। हर दूसरी या तीसरी परीक्षा में परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग हो रही है, ओएमआर शीट में गड़बड़ी हो रही है, उत्तर पुस्तिकों की जांच में धांधली हो रही है और कई जगह तो सीधे नौकरी बेच दी जा रही है। छात्रों की इस बात की नाराजगी है कि न तो शिक्षा का कैलेंडर ठीक से चल रहा है और न परीक्षा का कोई कैलेंडर है। ज्यादातर परीक्षाओं में देरी हो रही है और अभ्यर्थियों की उम्र निकल जा रही है। इस बात को समझने की बजाय हर व्यक्ति उनको ज्ञान देने में लगा है या उनकी भाषा बोल कर उनको खुश करने में लगा है। सिरदर्द के इलाज के लिए सरकार के लोग उंगली पर बैंड एड लगा रहे हैं। मंत्री संसद में खड़े होकर 'फोमो', 'एमआईए' और 'डेलुलु' जैसे शब्द बोल कर समझ रहे हैं कि इससे नौजवान खुश हो जाएंगे और शिक्षा व परीक्षा की गड़बड़ियों को भूल जाएंगे। संकट शिक्षा और परीक्षा की व्यवस्था में आई गड़बड़ियों का है। इसकी शुरुआत 2014 में उसी दिन हो गई थी, जिस दिन नरेंद्र मोदी की पहली सरकार में स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। सोचें, वे डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी की रिप्लेसमेंट थीं! भाजपा की आखिरी सरकार यानी 1999 से 2004 के बीच वाली अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मुरली मनोहर जोशी शिक्षा मंत्री थे। उसके बाद भाजपा को सरकार बनाने का मौका 2014 में मिला तो स्मृति ईरानी को शिक्षा मंत्री बनाया। इससे शिक्षा के प्रति सरकार की गंभीरता, प्रतिबद्धता का पता चलता है। ध्यान रहे 31 दिसंबर 2012 को 'जेन जी' के आखिरी बच्चे का जन्म हुआ था। उसके बाद जन्मे बच्चे 'जेन अल्फा' यानी 2014 में बनीं शिक्षा मंत्री के ऊपर ही 'जेन जी' का भविष्य संवारने की जिम्मेदारी थी। उनके ऊपर यह जवाबदेही थी कि 1997 से 2012 के बीच जन्मे बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा, अच्छे संस्कार, अच्छे प्रशिक्षण और नौकरी व रोजगार की व्यवस्था करें। क्या स्मृति ईरानी इस काम के लिए उपयुक्त थीं? उसी दिन पता चल गया कि इस सरकार को शिक्षा के साथ क्या करना है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की बौद्धिक जमात से नाराज थे। गुजरात में मुख्यमंत्री रहते बौद्धिक जमात ने उनको बहुत निशाना बनाया था। दिल्ली यूनिवर्सिटी से लेकर जेएनयू और देश के दूसरे शिक्षा केंद्रों में बैठे लोग उनके ऊपर हमला थे। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनको इसका बदला लेना था। उन्होंने देश की बौद्धिक जमात को, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को, महाविद्यालयों के प्राचार्यों को, बड़े शैक्षिक संस्थानों को निदेशकों आदि को अपमानित करना था और इसके लिए ही स्मृति ईरानी के शिक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। हालांकि यह परंपरा वही पर समाप्त नहीं हो गई। स्मृति ईरानी के बाद प्रकाश जावडेकर, रमेश पोखरियाल निशंक और धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्री बनाया गया। सबने मिल कर देश के नामी विश्वविद्यालयों में ऐसे कुलपति नियुक्त किए, जिनका शिक्षा और गुणवत्ता से कोई लेना देना नहीं रहा। आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थानों में ऐसे निदेशक नियुक्त किए गए, जिनकी योग्यता 'भाई साहब' लोगों की परिक्रमा से ज्यादा कुछ नहीं थी। रिसर्च संस्थानों में ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दी गई जिनका शोध कार्य से दूर दूर तक कोई लेना देना नहीं था। बिल्कुल अलग कसौटियों पर लोगों को नियुक्त किया गया। केंद्र से लेकर राज्यों तक में पाठ्यक्रम तैयार करने और नई किताबें लिखने के लिए जो लोग चुने गए उन्हें इस विधा का कोई अंदाजा नहीं था।

सेब की डाल पर बदलती बागबानों की आर्थिकी

डा. सतपाल

ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि इस मूल्यवृद्धि का उचित हिस्सा बागबान तक पहुंच पा रहा है या नहीं? आखिर उत्पादन का जोखिम उठाने वाला बागबान मूल्य श्रृंखला में सबसे मजबूत कड़ी है या नहीं देवभूमि हिमाचल की पहचान केवल बर्फसे ढकी चोटियों, हरे-भरे जंगलों और शांत पहाड़ी जीवन से नहीं है। यहां की बागबानी ने भी प्रदेश को देश और दुनिया में एक अलग पहचान दिलाई है। विशेषकर ऊपरी शिमला, कुल्लू, किन्नौर और मंडी के पहाड़ी क्षेत्रों में सेब केवल एक फल नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार और पहाड़ों की जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। हिमाचल की अर्थव्यवस्था में सेब ने कृषि से बागबानी की ओर हुए परिवर्तन को गति देकर ग्रामीण परिवारों को नकदी आय का मजबूत आधार प्रदान किया। लेकिन हिमाचल के सेब की कहानी केवल उत्पादन और बागबान की मेहनत की कहानी नहीं है। यह बाजार, मंडी, परिवहन, भंडारण, मौसम और बदलती व्यापारिक शक्तियों की भी कहानी है। आज सेब का रंग ही नहीं बदल रहा, बल्कि उसके बाजार के समीकरण भी तेजी से बदल रहे हैं। एक समय था जब हिमाचल के बागबानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सेब पैदा करना नहीं, बल्कि उसे उचित बाजार तक पहुंचाना थी। प्रदेश में पर्याप्त मंडी व्यवस्था नहीं होने के कारण बागबानों को अपना उत्पाद मुख्य रूप से चंडीगढ़ और दिल्ली की मंडियों तक भेजना पड़ता था। दिल्ली की आजादपुर मंडी पर निर्भरता इतनी अधिक थी कि अनेक बागबानों को आढ़तियों और कमीशन एजेंटों की शर्तों पर अपना उत्पाद बेचना पड़ता था। परिवहन लागत, मंडी शुल्क, कमीशन, खराब होने का जोखिम और भुगतान में देरी जैसी समस्याएं आम थीं। छोटे बागबानों के लिए समस्या और भी गंभीर थी। यदि किसी के पास कुछ सौ पेटियां ही सेब होती थीं, तो उसे दिल्ली भेजने के लिए ट्रक का पूरा लोड तैयार होने का इंतजार करना पड़ता था। कई बार 500-600 पेटियों के साथ ट्रक रवाना होता और लंबे सफर के दौरान सेब का कुछ हिस्सा खराब हो जाता। यानी जिस फल को बागबान ने महीनों की मेहनत, पूंजी और जोखिम के बाद तैयार किया, उसकी कीमत का एक हिस्सा बाजार तक पहुंचने से पहले ही नष्ट हो जाता था। आज समय के साथ हिमाचल की मंडी व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। सोलन, परवाणू सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में फल विपणन सुविधाओं का विस्तार हुआ है। स्थानीय स्तर पर छोटी मंडियां और खरीद केंद्र भी

विकसित हुए हैं जिसका लाभ कहीं न कहीं छोटे और मध्यम बागबानों को मिला है। उन्हें अपना सीमित उत्पादन बेचने के लिए दिल्ली की ओर देखने की आवश्यकता नहीं रही। छोटी मालवाहक गाडियों के माध्यम से कुछ पेटियां भी नजदीकी मंडी तक पहुंचाई जा रही हैं। इससे परिवहन लागत और समय दोनों कम हुए तथा फल के खराब होने का जोखिम भी घटा है। यह बदलाव केवल मंडियों की संख्या बढऩे तक सीमित नहीं है, अपितु इसका संबंध बागबान की सौदेबाजी की शक्ति से भी है। अर्थशास्त्र का सामान्य सिद्धांत है कि बाजार में विकल्प बढऩे पर खरीददार और विक्रेता दोनों के बीच प्रतिस्पर्धा मजबूत होती है। यदि बागबान के पास अपनी उपज बेचने के लिए केवल एक बाजार या एक खरीददार है, तो उसकी स्थिति कमजोर होती है। लेकिन जब उसके पास स्थानीय मंडी, बाहरी खरीददार, प्रत्यक्ष खरीद केंद्र, सहकारी व्यवस्था और अन्य विपणन विकल्प उपलब्ध हों, तो उसकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ती है। इसलिए स्थानीय मंडियों का विस्तार पहाड़ी अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है। प्रदेश में सेब की शुरुआत की बात करें तो यह वर्ष 1870 के आसपास कुल्लू क्षेत्र से मानी जाती है। बाद में सैमुअल स्टोक्स ने वर्ष 1916 के आसपास कोटगढ़ क्षेत्र में अमरीका से लाई गई व्यावसायिक किस्मों के माध्यम से सेब की खेती को नई दिशा दी। देखते ही देखते सेब ऊपरी शिमला से कुल्लू, किन्नौर और अन्य पहाड़ी क्षेत्रों तक फैल गया और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन गया। आज पारंपरिक रॉयल डिलीशियस और रेड डिलीशियस के साथ गाला, स्कारलेट स्पर, सुपर चीफ, जेरोमाइन और ग्रैनी स्मिथ जैसी नई किस्में बागबानों की पसंद बन रही हैं। यह केवल किस्मों का बदलाव मात्र नहीं है, बल्कि इसके पीछे बाजार की मांग, बदलती जलवायु और उत्पादन लागत की नई चुनौतियां हैं। सेब उत्पादन के क्षेत्र में सबसे बड़ा बदलाव कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेब की खेती का विस्तार है। कभी जहां सेब को केवल ठंडे पहाड़ी क्षेत्रों की फसल माना जाता था, वहीं बिलासपुर के प्रगतिशील बागबान हरिमन शर्मा के प्रयोगों और हरिमन-99 जैसी किस्म ने कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में नई संभावनाएं पैदा की हैं। यह बदलाव जलवायु परिवर्तन के दौर में और महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन बदलती किस्मों के साथ बागबान की मेहनत भी बढ़ी है। आधुनिक बागबानी में वैज्ञानिक छंटाई, सिंचाई, पोषण, रोग नियंत्रण और तकनीकी प्रबंधन ने बागबानी को पूर्णकालिक व्यवसाय के साथ अधिक खर्चीला बना दिया है। कृषि बाजार में कीमत केवल मांग और पूर्ति से तय नहीं होती, बल्कि परिवहन, भंडारण, मंडी व्यवस्था, बाजार की जानकारी, बिचौलियों की भूमिका और बड़े खरीददारों की बाजार शक्ति भी कीमत को प्रभावित करती है।

निन्यानबे के चक्कर में मनुष्य भूल रहा आत्मकल्याण : मुनिश्री निर्णय सागर जी

विदिशा (विश्व परिवार)। मनुष्य का वास्तविक सोना अच्छे गद्दे-तकिए या आरामदायक कमरे के अभाव में नहीं, बल्कि आत्मतत्त्व के संवेदन और आत्मानुभूति के अभाव में है। जिस व्यक्ति को अपने आत्मस्वरूप का बोध नहीं है, वह संसार में जागता हुआ दिखाई देने पर भी आध्यात्मिक रूप से सोया हुआ है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री निर्णय सागर महाराज ने श्री शांतिनाथ जिनालय स्टेशन जैन मंदिर में व्यक्त किये मुनि श्री ने कहा कि आत्मा को जान लेना, ही उसका अनुभव कर लेना ही वास्तविक जागरण है। उन्होंने कहा आज संसार में शिक्षा प्राप्त करने की होड़ लगी हुई है। विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, कोचिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बच्चे और युवा दिन-रात परिश्रम कर रहे हैं। किसी को कलेक्टर बनना है, किसी को डॉक्टर, किसी को विदेश जाना है। मुनि श्री ने कहा अध्ययन करना गलत नहीं है,लेकिन जीवन में धर्म, परिवार, स्वास्थ्य, खेल और आत्मचिंतन के लिए भी समय होना चाहिए।

मुनिश्री ने शिक्षा की परिभाषा बताते हुए कहा कि केवल ज्ञान प्राप्त करना ही शिक्षा नहीं है, बल्कि एक अच्छे इंसान की जिंदगी जीने की कला प्राप्त करना ही वास्तविक शिक्षा है। मनुष्य ने अनेक पुस्तकें पढ़ लीं, अनेक विद्यालय और विश्वविद्यालय पार कर लिए, लेकिन यदि उसे अपने आत्मतत्त्व को जानने की कला नहीं आई तो उसकी शिक्षा अधूरी है। उन्होंने कहा कि विद्या केवल ब्लैकबोर्ड, पुस्तक, कॉपी-पेन या डिग्री में नहीं है, वास्तविक विद्या आत्मा में स्थित है। जो अपने आत्मस्वरूप को पहचान लेता है, वही जीवन का सच्चा विद्यार्थी है।

उन्होंने कहा कि आत्मतत्त्व का स्व-संवेदन भीतर से जागृत होना चाहिए। जब व्यक्ति आत्मा की ओर उन्मुख होता है, तब संसार के अनावश्यक झंझटों और मोह-माया में उलझने की प्रवृत्ति कम होने लगती है। इसके विपरीत जब आत्मबोध नहीं होता, तब मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे निरंतर भागता रहता है। मुनिश्री ने 'निन्यानबे के चक्कर' की कथा सुनाते हुए कहा कि एक सेठ के पड़ोस में रहने वाला मोची प्रतिदिन भगवान के भजन करता था। सेठ की पत्नी अपने पति को उसका उदाहरण देकर कहती थी कि वह भी दुकान और धन के पीछे भागने के बजाय भगवान का भजन करे। सेठ ने उसकी परीक्षा लेने के लिए मोची की झोंपड़ी में निन्यानबे रुपये की थैली डाल दी। मोची ने जब थैली देखी तो उसे लगा कि भगवान ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर धन दिया है। लेकिन रुपये गिनने पर उसे केवल निन्यानबे रुपये मिले। बस, एक रुपये की कमी उसके मन में ऐसी बैठी कि उसने निश्चय कर लिया कि पहले एक रुपया पूरा करके सौ रुपये करेगा, उसके बाद भगवान का भजन करेगा। धीरे-धीरे वह एक रुपये की चिंता में इतना उलझ गया कि उसके भजन बंद हो गए। मुनिश्री ने कहा कि यही स्थिति आज अधिकांश मनुष्यों की है। जो मिला है, उसमें संतोष नहीं और जो नहीं मिला, उसके पीछे जीवन लगा दिया। मनुष्य धन, प्रतिष्ठा, व्यापार, सुविधाओं और भविष्य की चिंता में इतना व्यस्त है कि उसे दर्शन, पूजन, स्वाध्याय, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मकल्याण के लिए समय नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि निन्यानबे रुपये की कमी ने मोची से उसका भजन छीन लिया, उसी प्रकार जीवन में छोटी-छोटी इच्छाओं और अभावों की चिंता मनुष्य से उसकी शांति, संतोष और धर्म छीन रही है। आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य अपनी प्राथमिकताओं को पहचाने और संसार की दौड़ के बीच अपने आत्मस्वरूप को न भूले।

वास्तविक जागरण बाहर की दुनिया में अधिक पाने का नाम नहीं, बल्कि भीतर स्थित आत्मा को पहचानने का नाम है। जो आत्मा को जान लेता है, उसके जीवन में संतोष, विवेक और जागरूकता आती है; और जो केवल बाहरी उपलब्धियों में उलझा रहता है, वह सब कुछ पाकर भी भीतर से सोया रह जाता है। प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं अशोक गुडडू ने बताया मुनि श्री के प्रवचन प्रतिदिन प्रात: 8:30 बजे से श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर स्टेशन माधवगंज पर चल रहे हैं।

उदयपुर में ज्ञान-चिंतन का राष्ट्रीय संगम, विद्वत् संगोष्ठी का भव्य समापन

■ मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में 'हितमणिमालिका' एवं 'प्रश्नोत्तर रत्नमालिका' का हुआ सार्थक अनुशीलन

उदयपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन आदिनाथ भवन, सेक्टर-11 में 22 व 23 अगस्त 2026 को श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी के चार सत्रों में 'हितमणिमालिका' एवं 'प्रश्नोत्तर रत्नमालिका' पर गहन शास्त्रीय विमर्श हुआ। चार सत्रों की अध्यक्षता प्रोफेसर प्रेमसुमन जैन उदयपुर, पंडित विनोद जैन रजवांस, डॉ श्रेयांस जैन बड़ौत, डॉ श्रेयांस जैन तथा संचालन पंडित विनोद जैन, डॉ पंकज जैन, डॉ सुनील जैन संचय और डॉ बाहुबली जैन इंदौर ने क्रमश: किया। देशभर से आए विद्वानों ने ग्रंथों के दार्शनिक, आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक पक्षों पर विचार रखे।

मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि शास्त्रों का अध्ययन तभी सार्थक है, जब उसका प्रभाव जीवन और आचरण में दिखाई दे। उन्होंने कहा कि शास्त्र केवल ज्ञान संग्रह का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि और जीवन-परिष्कार का मार्ग हैं। उन्होंने विद्वानों के शोधपूर्ण अनुशीलन की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को जैन ज्ञान-परंपरा के संरक्षण एवं नई पीढ़ी तक उसके प्रसार के लिए महत्वपूर्ण बताया। वर्तमान की अनेक विसंगतियों पर भी मुनिश्री ने प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के संयोजक पं. विनोद जैन रजवास ने सभी विद्वानों, अतिथियों, आयोजन समिति एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुनि श्री के पावन सान्निध्य और विद्वानों के सारगर्भित चिंतन से यह आयोजन ज्ञान-यज्ञ के रूप में सफल हुआ।

आयोजन में निर्देशक डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, स्थानीय संयोजक डॉ राजेश जैन देवड़ा, चातुर्मास अध्यक्ष श्री अशोक जी शाह, आदिनाथ ट्रस्ट अध्यक्ष श्री पारस जैन चित्तौड़ा, महामंत्री श्री भंवरलाल जी एवं संयोजक श्री महावीर सिंघवी सहित समिति सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

अहिवारा में तप, त्याग और धर्म का भव्य उत्सव

■ संतोष, शिखा ,रौनक बाफना व जिनेंद्र की तप-साधना का ऐतिहासिक अभिनंदन

अहिवारा (विश्व परिवार)। नगर में चल रहे जैन समाज के पावन चातुर्मास के अंतर्गत आज धर्म, तप, त्याग और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर के प्रतिष्ठित धरमचंद बाफना परिवार के तीन तपस्वियों—श्री संतोष बाफना, श्रीमती शिखा बाफना एवं श्री रौनक बाफना—की कठिन तप-साधना के अनुमोदनार्थ भव्य वरघोड़ा एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया।

विशेष रूप से संतोष बाफना ने 30 दिनों की कठिन मासखमण तपस्या पूर्ण कर संयम, आत्मसाधना और धर्मनिष्ठा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके साथ श्रीमती शिखा बाफना एवं रौनक बाफना ने भी कठिन तपस्या कर पूरे परिवार, अहिवारा नगर एवं जैन समाज को गौरवान्वित किया। तीनों तपस्वी धरमचंद बाफना परिवार से हैं। समाज के वरिष्ठ श्री धरमचंद बाफना लंबे समय से जैन समाज एवं सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय और सम्मानित व्यक्तित्व के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। उनके परिवार की धर्म, समाजसेवा और जनसरोकारों से जुड़ी परंपरा के बीच एक ही परिवार से तीन तपस्वियों की साधना ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया।

तपस्वियों के सम्मान में निकले भव्य वरघोड़े का शुभारंभ जैन भवन, अहिवारा से हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वरघोड़ा बस स्टैंड पहुंचा तथा वहां से पुन: मंगल भवन में संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने तपस्वियों का अभिनंदन किया और नगर धर्ममय वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, व्यापारिक एवं औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

धर्म से पुण्य रूपी निवेश एफडी अगले जन्म में भी लाभ देती हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

सीकर (विश्व परिवार)। पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधी आचार्य श्री वर्धमान सागर जी पारस भवन दंग की नसिया बजाज रोड सीकर में संघ सहित विराजित है।धर्म सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने श्रोता के गुण बताएं कि किन कार्यों को करने से सुख मिलता है ,किन कार्यों से आत्मा संसार में परिभ्रमण करती है? ,कितने प्रकार के भय होते हैं? पांच इंद्रियों को विषय भोग में लगाने की बजाय पांच इंद्रियों का सदुपयोग करना चाहिए पैरों से चलकर देव शास्त्र गुरु के दर्शन विनयपूर्वक करना चाहिए नेत्रों से प्रभु के दर्शन कर हाथों से भगवान के अभिषेक पूजन करना चाहिए , हाथों से आहार दान सहित सभी दान देना चाहिए,और जीभ से हित , मीत, प्रिय वचन बोलना चाहिए। यह मंगल धर्म देशना आचार्य धर्मसागर सभागृह में राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने प्रकट की। डा राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने तीन मूर्ति की कथा के माध्यम से बताया कि तीनों तरह की मूर्ति एक समान बनी थी किंतु तीनों की कीमत अलग-अलग थी,जब परीक्षा की गई तो एक मूर्ति के कान में धागा डाला गया तो दूसरे कान से निकल गया। दूसरी मूर्ति में कान में धागा डाल तो मुंह से बाहर निकल गया, तीसरी मूर्ति में धागा कान से डाला गया तो वह बाहर नहीं निकला इसी प्रकार श्रोता को भी धर्म की वाणी सुनकर ग्रहण करना चाहिए चिंतन करना चाहिए साधु परमेष्ठी ने भी धर्म को सुना समझा और आज हमारे साथ मंच पर ऊपर साथ बैठे हैं ।उन्होंने धर्म का निवेश किया है धर्म का निवेश पुण्य के रूप में होता है यह निवेश अगले जन्म में भी काम आता है।आचार्य श्री के उपदेश के पूर्व मुनि श्री हितेन्द्र सागर जी ने सच्चे देव , शास्त्र गुरु का स्वरूप बताया 7प्रकार के भय की जानकारी दी अरिहंत और सिद्ध भगवान के अतिशय और गुणों के बारे में बताया कि वह 18 दोष रहित होते हैं । जो चार प्रकार के दान देते हैं लक्ष्मी उनके दासी होती है। आदिनाथ भगवान ,सीता के जीव ने आहार दान दिया था उसका उन्हें लाभ मिला,मुनिराज के चरणों के जल में जटायु ने लोट डुबकी लगाई तो उसका शरीर स्वर्णमयी हो गया। मुनि शिव ने सभी श्रावक श्राविकाओं को आहार दान देने की प्रेरणा दी।

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना में भगवान आदिनाथ के गूंजे जयकारे

■ मण्डल पर 48 दीपक चढाकर किया प्रभू का गुणगान

जयपुर (विश्व परिवार)। सेवा के लिए समर्पित जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति जयपुर के तत्वावधान में दिगम्बर जैन नसिया भट्टारक जी स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 48 दीपकों द्वारा ऋद्धि मंत्रो से युक्त भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान दीप महाअर्चना का संगीतमय आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर प्रांगण भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की अध्यक्ष स्वर्ण लता अजमेरा, कार्याध्यक्ष नमिता छाबड़ा एवं मंत्री पुष्पा सोगानी ने बताया कि विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्यता की कामना करते हुए स्व. डॉ. शीला जैन, विमला देवी छाबड़ा 'मोती संस' एवं भंवर देवी बेलेवाला की स्मृति में आयोजित किये गये इस दीप महार्चना का भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष समाजसेविका निशि कासलीवाल एवं सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया गया।

प्रसिद्ध गायकों द्वारा भक्ति मय प्रस्तुति के साथ मंत्रोच्चार का वाचन किया गया। अतिथियों एवं समिति की सदस्याओं द्वारा हाथों में जैन धर्म ध्वजा एवं दीपक लेकर भक्ति नृत्य करते हुए मंत्रोच्चार के साथ मुख्य मण्डल पर दीपक चढाये गये।

अहमदाबाद में मुनि प्रणुत सागर जी के सान्निध्य में माता-पिता सम्मान कार्यक्रम : त्याग, प्रेम और वात्सल्य को किया नमन

अहमदाबाद (विश्व परिवार)। मुनि श्री 108 प्रणुत सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में माता-पिता सम्मान एवं वात्सल्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम माता-पिता के त्याग, प्रेम, वात्सल्य और उपकारों को नमन करने का भावपूर्ण अवसर बना।

मां की ममता और पिता का त्याग

कार्यक्रम में कहा गया कि मां की ममता और पिता के त्याग को शब्दों में बांध पाना संभव नहीं है। मां ने जन्म से पहले ही संतान के सुख की चिंता की और अपनी नींद, इच्छाओं एवं सुखों का त्याग कर बच्चों को मुस्कुराना सिखाया। वहीं पिता ने स्वयं कठिनाइयां सहकर बच्चों के सपनों को पूरा करने का प्रयास किया।

मुनिश्री ने दिए संस्कार

मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज के सान्निध्य में मिले संस्कारों और प्रेरणादायी संदेशों ने उपस्थित जनों को माता-पिता के प्रति कृतज्ञता का भाव जागृत करने की प्रेरणा दी। माता-पिता को जीवन की ऐसी अमूल्य धरोहर बताया गया, जिनका ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता।

भावनाओं से सराबोर हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान मंच पर व्यक्त हर भाव, शब्द और मुस्कान माता-पिता के प्रति सम्मान की कहानी कहती नजर आई। कहीं आंखों में भावुकता थी तो कहीं माता-पिता के प्रति कृतज्ञता और सम्मान की चमक दिखाई दी।

तस्वीरों में संजोई गईं स्मृतियां

कार्यक्रम की भावपूर्ण स्मृतियों को तस्वीरों में संजोया गया। आयोजन ने उपस्थित लोगों को यह संदेश दिया कि माता-पिता को केवल किसी विशेष अवसर पर नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक दिन सम्मान, समय और प्रेम देना चाहिए।

आशीर्वाद से आसान होती है जीवन की राह

कार्यक्रम में यह भाव व्यक्त किया गया कि माता-पिता का आशीर्वाद जीवन की कठिन राहों को सरल बनाने वाली शक्ति है। मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य को नमन करते हुए माता-पिता के चरणों में कृतज्ञता एवं श्रद्धा अर्पित की गई।

अनुकूलता का राग छोड़ो, वीतराग के मार्ग पर बढ़ो : मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा.

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास की चातुर्मासिक प्रवचनमाला में मंगलवार को मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. ने अनुकूलता के राग से बचने का संदेश दिया। मुनिश्री ने कहा कि मन को अनुकूलता की ओर ले जाने वाला राग धीरे-धीरे कुदर्शन ध्यान का पोषण करता है और जीव को धर्म तथा मोक्ष के मार्ग से दूर कर देता है।

मुनिश्री ने कहा कि विकल्पों के साथ जुड़कर मनोकल्पित भावनाओं को लगातार पोषित करते रहेंगे तो कुदर्शन ध्यान मजबूत होगा। कुदर्शन ध्यान में अनुकूलता का राग प्रमुख होता है। यह राग भावनाओं को पोषित करता है और व्यक्ति सुदेव, सुगुरु एवं सुधर्म को छोड़कर गलत दृष्टि की ओर बढ़ने लगता है। इसके परिणामस्वरूप मिथ्यात्व का बंध होता है और जीव जिन शासन से भव-भव की दूरी बना लेता है।

मुनिश्री ने कहा कि अनुकूलता का पोषण व्यक्ति को मर्यादा लांघने के लिए प्रेरित करता है। जब भौतिक सुख की चाह और मन की अनुकूलता का प्रसंग लगातार पोषित होता है तो जीवन असुरक्षित होने लगता है।

कृषि शिक्षा में भी हैं करियर, नवाचार और उद्यमिता के असीमित अवसर

रायपुर (विश्व परिवार)। कृषि अब केवल पारंपरिक खेती तक सीमित क्षेत्र नहीं रह गई है, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, उद्यमिता, टिकाऊ कृषि और बाजारोन्मुख अवसरों से जुड़ा व्यापक एवं रोजगारोन्मुख क्षेत्र बन चुकी है। ऐसे बदलते परिदृश्य में बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि विद्यार्थियों को सरकारी सेवाओं से लेकर अनुसंधान, कृषि व्यवसाय, एग्री-टेक, खाद्य प्रसंस्करण और उद्यमिता तक अनेक करियर विकल्प उपलब्ध कराती है। छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए कृषि क्षेत्र में संभावनाएं विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। राज्य की धान आधारित कृषि प्रणालियां, दलहन एवं तिलहन, उद्यानिकी, पशुपालन, वनोपज आधारित आजीविका, पारंपरिक एवं जनजातीय कृषि तथा कृषि-प्रसंस्करण क्षेत्र कृषि शिक्षा और व्यावसायिक विकास के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। प्रशिक्षित कृषि स्नातक उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन तथा कृषि मूल्य श्रृंखला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। चार वर्षीय बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कृषि विज्ञान, मृदाविज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, जैव प्रौद्योगिकी, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, उद्यानिकी, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि प्रसार, कृषि मौसम विज्ञान, कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान और कृषि व्यवसाय प्रबंधन जैसे विविध विषयों का बहुविषयक ज्ञान प्रदान करता है। इससे विद्यार्थी उच्च शिक्षा, रोजगार, अनुसंधान और उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं।

कृषि स्नातकों के लिए सरकारी विभागों, कृषि प्रसार, ग्रामीण विकास, कृषि विपणन, बीज संगठनों तथा विभिन्न कृषि विकास कार्यक्रमों में अवसर उपलब्ध हैं। बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र में कृषि ऋण, ग्रामीण बैंकिंग, कृषि वित्त, फसल बीमा, विकास बैंकिंग और किसान उत्पादक संगठनों से जुड़े अवसर भी विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राघौगढ़ में रक्षाबंधन महामंडल विधान का शुभारंभ

■ भगवान की भक्ति निष्काम भाव से करें फल अवश्य मिलेगा: मुनि श्रमण सागरजी

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। धर्म नगरी राघौगढ़ में चातुर्मास रहे मुनि श्रमण सागर जी एवं मुनि ओंकार सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित चार दिवसीय श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान के भव्य शुभारंभ के अवसर पर मंगल प्रवचन करते हुए औजस्वी वक्ता बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने कहा इस विधान के अनुष्ठान के माध्यम से आफ 700 मुनिराजों को स्मरण कर अर्घ चढ़ाते हैं। आपने श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन दिया कि भगवान के दर्शन पूजन एवं विधान आदि के आयोजन मनोकामना के साथ हमें नहीं करना चाहिए। इन धार्मिक अनुष्ठानों का निश्चित ही हमें फल मिलता है। मुनिराज ने कहा वर्षों तक भगवान की पूजन दर्शन भक्ति करने के बाद भी मनोकामना पूर्ण नहीं होती है तो भक्त निराश होकर भगवान की भक्ति करना ही छोड़ देते हैं। भगवान की भक्ति छोड़ना अनुचित कार्य है। हमें वर्तमान में पुण्य नहीं मिलने का कारण पूर्व जन्म में किया पाप हैं। और आज हम जो पुण्य कमा रहे हैं उसका फल निश्चित हमें मिलेगा। आपने आगे यह कहा कि किसान गेहूं खेत में बोता है फसल आने पर गेहूं के साथ भूसा फ्री मिलता है।

दिनांक 28 अगस्त तक चलने वाले चार दिवसीय श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ आज प्रात: 7:00 बजे से भगवान का सामूहिक अभिषेक शांति धारा एवं धार्मिक अनुष्ठानों से हुआ। इंदौर से पधारे बाल ब्रह्मचारी सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य तरुण भैया जी के मार्गदर्शन में सभी मांगलिक क्रियाएं भक्ति भाव से प्रारंभ हुई। विद्यासागर सभागार राघोगढ़ बेदी भगवान विराजमान कर इस विधान का भक्ति भाव से आयोजन किया जा रहा है। तरुण भैया जी ने कहा राघौगढ़ नगर वासियों का सौभाग्य है कि रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर श्री रक्षाबंधन महामंडल विधान के आयोजन के माध्यम से राघौगढ़ में चातुर्मास कर रहे युगल मुनिराजों के पावन सानिध्य में हम उपसर्ग विजेता 700 मुनि राजों को स्मरण कर उन्हें भक्ति भाव से अर्घ समर्पित करे रहे हैं। विधान आयोजन के पुण्यार्जक परिवार राजेंद्र कुमार सिद्धार्थ कुमार श्रेयांश कुमार जैन मेडिकल परिवार राघौगढ़ ने सभी साधर्मीजनों से आग्रह किया कि इस मांगलिक धार्मिक आयोजन में भक्ति भाव से भाग लें।

ऋचा संस्था की माह अगस्त की पावस गोष्ठी सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। साहित्यिक व सांस्कृतिक संस्था ऋचा की अगस्त माह की पावस गोष्ठी वृन्दावन हॉल में प्रज्ञा त्रिवेदी द्वारा आयोजित की गई। संस्था की सचिव मीना शर्मा ने सबका अभिनंदन कर मंच पर अध्यक्ष चंद्रकांता अग्रवाल, संरक्षक ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, चंद्रकला त्रिपाठी, सुदीप यदु, शकुंतला तरार जी को मंचासीन किया। मंचासीन अतिथियों द्वारा मां शारदे एवं स्वर्गीय शांति यदु को माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। प्रज्ञा त्रिवेदी ने वीणा पाणी की सुमधुर वंदना प्रस्तुत की। अगस्त माह में जन्मे सभी कवियों का पुष्प देकर अभिनंदन किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। सह सचिव ईरा पंत द्वारा ही काव्य गोष्ठी का संचालन किया गया। सभी साहित्यकारों, लेखकों और कवियों ने हरे परिधान में उपस्थिति दर्ज कराई, तथा गीत, ग़ज़ल, कजरी, दादरा की बौछारों से वातावरण को पावस मय बना दिया। पावस की इन बुंदों के साक्षी बनें लतिका भावे, आशामानव, दिलीप वरवंडकर, डॉ कमल वर्मा, आलिम नकवी, सुरेंद्र रावल, चंद्रकला त्रिपाठी, के पी सक्सेना, ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, मनीषा वत्स, डॉ चितरंजन कर, सुदीप यदु, मधु सक्सेना, मंजु यदु, माधुरी कर, अर्चना श्रीवास्तव, शकुंतला तरार, सुनीता विनय वर्मा जी मीना शर्मा चंद्रकांता अग्रवाल, ईरा पंत और प्रज्ञा त्रिवेदी, विनय वर्मा। अंत में ब्रिगेडियर प्रदीप यदु ने आज के पावस गोष्ठी की प्रस्तुति पर सबका आभार व्यक्त कर कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी, सिग्मा एडवांस्ड सिस्टम्स ने ब्रोमफोर्ड के रणनीतिक अधिग्रहण के बाद रोल्स-रॉयस एयरोस्पेस यूके के साथ 125 मिलियन पाउंड के एक्स्ट्रा लॉन्ग-टर्म एग्रीमेंट द्वारा साझेदारी को और मजबूत किया

हैदराबाद: सिग्मा एडवांस्ड सिस्टम्स ने रोल्स-रॉयस के साथ लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट सिग्मा की हाल ही में अधिग्रहित यूके सब्सिडियरी, लीसेस्टर स्थित ब्रोमफोर्ड प्रिसीजन सॉल्यूशंस के जरिए हासिल हुआ है। यह एग्रीमेंट ब्रोमफोर्ड के अधिग्रहण से मिलने वाले रणनीतिक फायदे को दिखाता है और दुनिया की प्रमुख एयरोस्पेस मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) कंपनियों में से एक के साथ सिग्मा के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और मजबूत करता है। लगभग 125 मिलियन पाउंड (करीब 1,600 करोड़) की कीमत वाला यह समझौता, हाल ही में रोल्स-रॉयस के साथ हुए लगभग 300 मिलियन पाउंड (करीब 3,800 करोड़) के लॉन्ग-टर्म समझौते पर आधारित है। इससे महत्वपूर्ण एयरोस्पेस प्रोग्राम्स में ग्रुप के प्रोडक्ट्स, मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और कंटेंट का दायरा बढ़ेगा। इन समझौतों से रोल्स-रॉयस की यूके सप्लाई चेन में सिग्मा की स्थिति काफी मजबूत होगी और साथ ही लंबे समय तक रेवेन्यू की संभावना भी बढ़ेगी। ब्रोमफोर्ड के अधिग्रहण से एयरो इंजन रिंग्स और केसिंग्स के साथ-साथ एडवांस्ड प्रिसीजन मैन्युफैक्चरिंग में विशेषज्ञता रखने वाली मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं सिग्मा के साथ जुड़ी हैं। इससे सिग्मा को जटिल इंजन कंपोनेंट्स का एक व्यापक पोर्टफोलियो सप्लाई करने में मदद मिलेगी। एग्रीमेंट के तहत, ब्रॉमफोर्ड, सिग्मा की इंडिया और युके मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी में एयरोइंजन रिंग, केसिंग, लॉक प्लेट और दूसरे ज़रूरी इंजन स्ट्रक्चर बनाएगा।

मणिपालसिग्ना ने अपने पूर्ण स्वास्थ्य बीमा समाधान 'सर्वः' के साथ बढ़ाई छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी

रायपुरः भारत की प्रमुख एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मणिपालसिग्ना स्वास्थ्य बीमा, अपने प्रमुख उत्पाद, 'मणिपालसिग्ना सर्वः' के ज़रिए छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रही है। कंपनी राज्य में सुलभ और व्यापक स्वास्थ्य बीमा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपनी स्थानीय वितरण और सेवा क्षमता बढ़ा रही है। कंपनी ने अपनी 'इंडिया हेल्थ क्वोशियेंट (आईएचक्यू 2026)' रिपोर्ट से मिली जानकारी भी साझा की, जिससे राज्य भर में स्वास्थ्य बीमा के बारे में जागरूकता और इसकी पहुंच बढ़ाने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ज़ाहिर होती है।

मणिपालसिग्ना छत्तीसगढ़ में अपनी विस्तार की रणनीति के तहत, आने वाले दिनों में पूरे राज्य में अपने एडवाइज़र नेटवर्क बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी अपनी शाखाओं की संख्या बढ़ाती रहेगी और छत्तीसगढ़ के अर्ध-शहरी इलाकों और उभरते बाज़ारों में, विशेष रूप से दूर-दराज़ के इलाकों आपूर्ति बढ़ाएगी।

मणिपालसिग्ना सर्वः छत्तीसगढ़ में विभिन्न किस्म की सुरक्षा की ज़रूरतों को पूरा करता है। इसमें पहली बार बीमा लेने वालों और मन की शांति चाहने वालों के लिए ज़रूरी कवरेज से लेकर, शून्य प्रतीक्षा अवधि और अधिक कवरेज जैसी नई सुविधाओं वाले व्यापक प्लान शामिल हैं। सर्वः छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण उत्पाद के तौर पर उभरा है और राज्य के कुल नए व्यवसाय से जुड़े प्रीमियम में इसकी बड़ी हिस्सेदारी है। मणिपालसिग्ना स्वास्थ्य बीमा के उत्तर-मध्य और महाराष्ट्र के शेष हिस्सों के लिए एजेंसी प्रमुख, अरुण कौशिक ने छत्तीसगढ़ में सर्वः को तेज़ी से अपनाए जाने के बारे में कहा, 'सर्वः' के साथ, हम छत्तीसगढ़ में ग्राहकों की स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी बदलती ज़रूरतों को आसान, किफायती और व्यापक समाधान के ज़रिये पूरा कर रहे हैं। 'अनंत' के ज़रिए असीमित कवरेज, 'सर्वः परम' के तहत शून्य प्रतीक्षा अवधि और 'सर्वः प्रथम' के ज़रिए बेहतर मूल्य चाहने वाले ग्राहकों के लिए विशेष सुरक्षा वाले फीचर ग्राहकों को अधिक विकल्प और भरोसा प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं।

गरियाबंद में कलेक्टर की दो टूक: समय पर पहुंचो, जिम्मेदारी से काम करो, लापरवाही मिली तो होगी कार्रवाई

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर रणबीर शर्मा ने अधिकारियों को दो टूक संदेश दिया—सरकारी काम में लापरवाही नहीं चलेगी और जनता से जुड़े मामलों में देरी किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने, अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन करने और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी को अपने विभागीय कार्यों के साथ-साथ शासन की योजनाओं की पूरी जानकारी होनी चाहिए, ताकि जरूरतमंद नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी तरह की बाधा न आए। उन्होंने कार्यालयों में साफ-सफाई और व्यवस्थित कार्यप्रणाली बनाए रखने के साथ अनुपयोगी सामग्री को चिन्हांकित कर नियमानुसार डिस्पोज करने के निर्देश दिए। बिना अनुमति मुख्यालय से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को भी सख्त हिदायत दी गई।

बैठक में कलेक्टर ने शासकीय कार्यों को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली को प्राथमिकता देने कहा। उन्होंने 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों के शत-प्रतिशत वय वंदन कार्ड बनाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए।

इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों की मदद लेकर मैदानी स्तर पर पात्र हितग्राहियों की वास्तविक स्थिति की जानकारी जुटाने को कहा गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को केवल कागजी प्रगति तक सीमित न रहते हुए योजनाओं की जमीनी पहुंच की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा के प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। विभाग आपसी समन्वय से काम करें और नागरिकों को बेहतर एवं समयबद्ध शासकीय सेवाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने अधिकारियों को सीमित संसाधनों में बेहतर परिणाम देने की कार्यशैली विकसित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में स्कूलों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जनगणना कार्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए संबंधित विभागों को गंभीरता से कार्य करने कहा गया। कलेक्टर ने गिरदावरी कार्य को बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए इसमें विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान की फसल का सही रिकॉर्ड दर्ज होना चाहिए, ताकि पात्र किसान धान बिक्री से वंचित न हों और अपात्र व्यक्ति धान बेचने का लाभ न उठा सकें।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से प्राप्त प्रकरणों को भी नियमानुसार और निर्धारित समय-सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों को गंभीरता से लें और समाधान की प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

नेशनल हाईवे चौड़ीकरण के दौरान पोल शिफ्टिंग के कार्य को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने तथा पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त निरीक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सरकारी कार्यालयों, भवनों और संस्थानों के लिए भूमि का चयन भी उपयुक्त स्थल पर करने को कहा गया।

बस्तर में 48 घंटे का मिशन रीयूनाइट सफल

वन विभाग और ग्रामीणों के तालमेल से दो तेंदुआ शावकों को मिला मां का आंचल

जगदलपुर/ बस्तर वनमंडल के दुर्गम जंगलों में वन विभाग और स्थानीय ग्रामीणों की सजगता से तेंदुए के दो बिछड़े नवजात शावकों को सुरक्षित उनकी मां से मिलाने का संवेदनशील अभियान सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह 48 घंटे का अनवरत रेस्क्यू ऑपरेशन प्रदेश के वन मंत्री श्री केदार कश्यप के वन्यजीव संरक्षण संकल्प को धरातल पर साकार करने की एक जीवंत मिसाल बनकर उभरा है। ज्ञात हो कि 22 अगस्त को जब चित्रकोट रेंज के पहाड़ी वन क्षेत्र में ग्रामीणों के बच्चों द्वारा तेंदुए का एक छोटा शावक उठाए जाने की खबर वन विभाग को मिली। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए वन मंडलाधिकारी श्री दीपेश कपिल के मार्गदर्शन में वन अमले ने तत्काल उसी रात करीब 11.20 बजे शावक को सुरक्षित अपने संरक्षण में ले लिया। योजना के तहत तड़के 4 बजे शावक को घने जंगल के चिन्हित स्थान पर इस उम्मीद के साथ छोड़ा गया कि मादा तेंदुआ उसे ले जाएगी, लेकिन अगली सुबह निगरानी के दौरान पाया गया कि मां अपने बच्चे तक नहीं पहुंची थी।

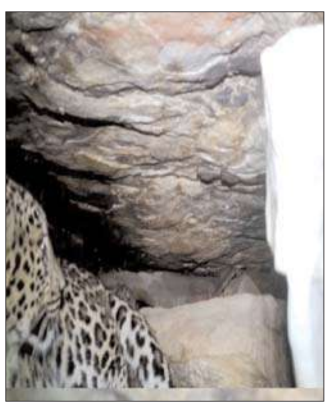

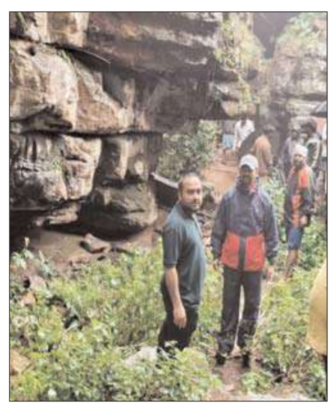

पहले प्रयास की विफलता के बाद वन अमले ने ग्रामीणों के सक्रिय सहयोग से इलाके में दूसरे शावक की भी तलाश शुरू की। जल्द ही दोनों शावकों को एक साथ सुरक्षित स्थान पर रखा गया और उनकी हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए चारों तरफ हाई-रेजोल्यूशन ट्रैप कैमरे लगाए गए। लगातार 48 घंटे की कड़ी निगरानी के बाद आखिरकार सोमवार की रात कैमरे में वह भावुक दृश्य कैद हुआ जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार था। मादा तेंदुआ अपने चिन्हित स्थान पर वापस लौटी और अपने दोनों बच्चों को सुरक्षित अपने साथ घने जंगलों की ओर ले गई। यह सफल अभियान न केवल वन विभाग की तत्परता और कार्यकुशलता को दर्शाता है, बल्कि ग्रामीणों की संवेदनशीलता और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश करता है।

बहनों की बेहतरी विष्णु भैया का मान, महतारी वंदन योजना की किश्त मिलने से उत्साहित हैं महिलाएं

महतारी वंदन योजना से बबीता ठाकुर के जीवन में आई खुशहाली

जगदलपुर/ महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं बहनों के लिए आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई और घर परिवार की जरूरत में भी सहयोग कर पा रही हैं। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महतारी वंदन योजना की राशि प्रदान किए जाने से इन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

बस्तर जिले के तोकापाल निवासी बबीता ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए मुश्किल समय में सहारा बनकर आई है। उन्होंने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग बच्चों की दैनिक उपयोग की सामग्री खरीदने में भी किया जा रहा है। साथ ही घरेलू कार्य के लिए भी उपयोग कर रही हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि इस योजना की 31 वीं किस्त की राशि मिलने से उनके परिवार के सदस्य खुश हैं। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व पर मिली एक हजार रुपये की राशि से उन्होंने मिठाइयां, उपहार और राखी जैसी आवश्यक वस्तुएं खरीदने में मदद मिलेगी।

बबीता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु भैया ने रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके त्योहार की खुशियों को और अधिक बढ़ा दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इसके लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना से महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। अब वे इस राशि से पोस्ट आफिस में खाता खुलवा कर हर महीने 500 रुपये जमा कर रही हैं जिससे यह राशि भविष्य में परिवार की आकस्मिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए मददगार साबित हो सके।

ज्ञात हो कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को बालोद जिले के डोंडी लोहारा में आयोजित महतारी वंदन सम्मान समारोह में महतारी वंदन योजना के 31 वीं किश्त के तहत 67 लाख 28 हजार 918 महिला हितग्राहियों के बैंक खाते में 631 करोड़ 38 लाख 37 हजार 700 रुपये की राशि का अंतरण बटन दबाकर किया।

अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन दिल्ली में 20,000 छात्राओं को देगा स्कॉलरशिप

रायपुर। अज़ीम प्रेमजी फ़उण्डेशन ने आज दिल्ली के लिए अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप शुरू करने का ऐलान किया है। इस साल दिल्ली में 20,000 तक छात्राओं को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए इस स्कॉलरशिप से मदद मिलेगी।

स्कॉलरशिप के लिए चुनी गई हर छात्रा को हर साल 30,000 दिए जाएँगे। यह राशि कॉलेज के पहले साल से लेकर छात्राओं की स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पूरा होने तक दी जाएगी। कोर्स पूरा करने के समय के मुताबिक किसी भी छात्रा को दो से पाँच साल तक यह स्कॉलरशिप मिल सकती है। इस तरह छात्रा को पढ़ाई पूरी होने तक अधिकतम कुल 1.5 लाख तक मिल सकते हैं। इस राशि का इस्तेमाल कॉलेज की फीस और पढ़ाई से जुड़े दूसरे खर्चों के लिए किया जा सकता है।

यह स्कॉलरशिप 2024 में शुरू की गई थी। आज 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल की पढ़ाई पूरी करने वाली छात्राएँ इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली (NCT), झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, सिक्किम, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं।

स्कॉलरशिप पाने के लिए छात्राओं का ऊपर बताए गए राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में से किसी सरकारी स्कूल से कक्षा 10 और 12 की पढ़ाई पूरी करना ज़रूरी है। साथ ही उन्हें भारत में कहीं भी किसी मान्यता प्राप्त संस्थान में स्नातक डिग्री या डिप्लोमा कोर्स के पहले साल में दाखिला होना अनिवार्य है।

फ़उण्डेशन का मकसद हर साल पूरे भारत में लगभग 5 लाख छात्राओं को इस स्कॉलरशिप के ज़रिए मदद देना है। ज्यादातर स्नातक कोर्स लगभग तीन साल के होते हैं और छात्राओं को पूरे कोर्स के दौरान स्कॉलरशिप मिलती रहेगी। ऐसे में किसी भी समय करीब 15 लाख छात्राएँ अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप का लाभ ले रही हो सकती हैं। 2024 में स्कॉलरशिप शुरू होने के बाद से अब तक 1.9 लाख से अधिक छात्राओं को यह स्कॉलरशिप मिल चुकी है।

अज़ीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और निःशुल्क है। यह आवेदन सिर्फ अज़ीम प्रेमजी फ़उण्डेशन की आधिकारिक वेबसाइट के ज़रिए किया जा सकता है।

अज़ीम प्रेमजी फ़उण्डेशन के ष्टश्वह्र अनुराग बेहर के अनुसार हमारे देश और समाज के भविष्य और उसकी खुशहाली को हासिल करने और बनाए रखने में लड़कियों की भूमिका किसी भी दूसरे सामाजिक समूह से कहीं ज़्यादा होगी। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें जीवन के हर क्षेत्र में बराबर मौके मिलें।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर निकली टेट मुक्ति रैली, कलेक्टर के माध्यम से शासन को सौंपा ज्ञापन

गरियाबंद (विश्व परिवार)।शिक्षक हितों से जुड़े लंबित मुद्दों को लेकर मंगलवार को गरियाबंद में शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने जोरदार प्रदर्शन किया। ज्ञश्वज्ञ की अनिवार्यता समाप्त करने, पूर्व सेवा की गणना कर पेंशन सहित सभी लाभ देने, केंद्रीय वेतनमान के आधार पर वेतन निर्धारण, 13 फरवरी 2026 के राजपत्र में आवश्यक संशोधन तथा विभागीय क्रश्वस्र. ब्रिज कोर्स शुरू करने सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने टेट मुक्ति रैली निकाली। रैली के बाद कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री और विभागीय अधिकारियों के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने सेवारत शिक्षकों के लिए TET की अनिवार्यता समाप्त कर सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग प्रमुखता से उठाई। मोर्चा का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा TET पात्रता प्राप्त करने के लिए 31 अगस्त 2028 तक का समय दिए जाने के बावजूद पदोन्नति में ज्ञश्वज्ञ की शर्त शिक्षकों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। मोर्चा ने मांग की कि पदोन्नति वरिष्ठता के आधार पर की जाए और सेवारत शिक्षकों को ज्ञश्वज्ञ की अनिवार्यता से मुक्त रखा जाए।

मोर्चा ने शिक्षक स्क्र संवर्ग की पंचायत एवं नगरीय निकाय में हुई प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना किए जाने की मांग की। शिक्षकों का कहना है कि पूर्व सेवा अवधि को शामिल कर उन्हें पुरानी पेंशन सहित शिक्षा विभाग में लागू सभी पात्र सेवा लाभ दिए जाने चाहिए।

शिक्षकों ने वेतन विसंगति को दूर करने के लिए केंद्रीय वेतनमान की संरचना के आधार पर वेतन निर्धारण की मांग की। मोर्चा के अनुसार वेतन विसंगति के चलते शिक्षक लंबे समय से आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं। शासन को इस मामले में शीघ्र निर्णय लेकर न्यायसंगत वेतन निर्धारण करना चाहिए।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा सेवा (शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग) भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2026 में शिक्षक LB संवर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक संशोधन की मांग की। मोर्चा ने कहा कि नए नियमों में शिक्षकों की सेवा परिस्थितियों और हितों का समुचित संरक्षण किया जाना जरूरी है।

प्रशिक्षित सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याताओं के लिए शिक्षा विभाग की ओर से विभागीय क्रश्वस्र. ब्रिज कोर्स संचालित किए जाने की मांग भी उठाई गई। मोर्चा का कहना है कि इससे सेवारत शिक्षकों को व्यावसायिक योग्यता से जुड़े प्रावधानों का लाभ मिल सकेगा।

गरियाबंद में आयोजित रैली में शिक्षक संघर्ष मोर्चा से जुड़े बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल हुए। शिक्षकों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर एकजुटता प्रदर्शित की और शासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग नवा रायपुर छ.ग.

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक. 2123/NIT-23/2026-27/व.ले.लि. नवा रायपुर दिनांक 21/08/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नालिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ No of Calls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
23 T0075	Electrifucation work to sub Health Center At Tilda Bandha Simga Bhatapara Dist BalodaBazar CG प्रथम आमंत्रण	3.05
23 T0076	Electrification work to Sub Health Center at Tikuliya Bhatapara Dist BalodaBazar CG प्रथम आमंत्रण	3.05
23 T0077	Electrification work to Sub Health Center at Karmada Block BalodaBazar Dist Balodabazar CG प्रथम आमंत्रण	3.05

नोट :-निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि दिनांक 08/09/2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक है। निविदा संबंधी शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।
शर्ते :- 1) उपरोक्त कार्यो के आबंटन प्राप्त होने पर ही नियामानुसार भुगतान की कार्यवाही की जावेगी।

G-2627029938/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. वि./यां. संभाग
नवा रायपुर छ.ग.

छत्तीसगढ़ में होगी देश की पहली राज्य स्तरीय हॉकी लीग

- छह टीमें लेंगी हिस्सा, राज्य के खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच
- प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव और प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएगी लीग : अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में हॉकी को नई तस्वीर गढ़ने की तैयारी है। राज्य के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा हॉकी इंडिया से मान्यता प्राप्त छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन का आयोजन किया जा रहा है। राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में होने वाली यह लीग देश के किसी भी राज्य में आयोजित होने वाली पहली राज्य-स्तरीय हॉकी लीग होगी, जिसे हॉकी इंडिया लीग की तर्ज पर पूरी तरह प्रोफेशनल और व्यावसायिक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। आयोजन की संभावित तिथियां 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक लीग के मुकाबले खेले जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के नवीन विश्राम भवन में लीग के लोगो, टैगलाइन और शुभंकर का अनावरण किया। उन्होंने लॉन्चिंग कार्यक्रम में लीग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लीग का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ की युवा हॉकी प्रतिभाओं को बड़ा मंच उपलब्ध कराना और उन्हें देश के श्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने तथा उनसे सीखने का अवसर देना है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, संचालक सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो, संयुक्त संचालक श्री प्रभाकर पाण्डेय और छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष श्री फिरोज अंसारी सहित अनेक विभागीय अधिकारी भी लीग के लॉन्चिंग कार्यक्रम में मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हॉकी की समृद्ध परंपरा रही है और राज्य में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग इन प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर देगी और प्रदेश के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के अनुभव तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

श्री साव ने बताया कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के पहले सीजन में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह टीमें मैदान में उतरेंगी। इनमें राजधानी रॉयल्स, चित्रकूट चैलेंजर्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स शामिल हैं। ये टीमें प्रदेश की अलग-अलग क्षेत्रीय पहचान और खेल प्रतिभा को एक मंच पर लेकर आएंगी।

लीग का लोगो छत्तीसगढ़ के मानचित्र पर आधारित है। इसमें केसरिया और हरे रंग के माध्यम से भारतीयता की भावना को दर्शाया गया है, जबकि आगे बढ़ती नारंगी रेखा प्रदेशवासियों की निरंतर प्रगति और आगे बढ़ने की भावना का प्रतीक है। लीग की टैगलाइन 'चलव रे संगी, हॉकी खेलबो' रखी गई है। छत्तीसगढ़ी बोली में यह टैगलाइन अपनत्व और आमंत्रण का भाव लिए हुए है, जिसका अर्थ है—'चलो दोस्त, हॉकी खेलते हैं।'

लीग का आधिकारिक शुभंकर 'बघवा' नामक बाघ है। यह छत्तीसगढ़ के घने जंगलों और समृद्ध वन्यजीव विरासत का प्रतीक है। बघवा साहस, शक्ति और निडरता का संदेश देता है तथा खिलाड़ियों की जुझारू भावना और मैदान पर अपना दबदबा कायम करने की आकांक्षा को प्रदर्शित करता है। प्रतियोगिता में सभी छह टीमें लीग मुकाबले खेलेंगी। इन मुकाबलों के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल के बाद विजेता टीम का फैसला फाइनल मुकाबले में होगा। मैचों के दौरान सभी अंपायर और तकनीकी अधिकारी हॉकी इंडिया द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, जिससे प्रतियोगिता में तकनीकी गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग केवल खेल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहेगी। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन विशेष मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इससे दर्शकों को रोमांचक हॉकी मुकाबलों के साथ मनोरंजन का भी अनुभव मिलेगा।

नगर पालिक निगम बीरगांव में चलाया जा रहा वृक्षों का पुनर्जीवन महाअभियान

बीरगांव (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम बीरगांव द्वारा शासन के निर्देशानुसार वृक्षों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए "वृक्ष पुनर्जीवन महाअभियान" चलाया जा रहा है। आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा के नेतृत्व में निगम क्षेत्र में ऐसे बड़े एवं पुराने वृक्षों को चिन्हित कर उनका संरक्षण एवं पुनर्जीवन किया जा रहा है, जिनकी जड़ों के आसपास पेवर ब्लॉक, कंक्रीटीकरण अथवा अन्य निर्माण कार्य होने के कारण उनके प्राकृतिक विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।

अभियान के तहत पेड़ों की जड़ों के आसपास किए गए अनावश्यक "पेवर ब्लॉक एवं कंक्रीटीकरण को हटाकर जड़ों को खुला एवं सुरक्षित स्थान" उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वृक्षों को पर्याप्त हवा, पानी एवं पोषक तत्व मिल सकें और उनका प्राकृतिक रूप से विकास हो सके। नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्र में वृक्षों के पुनर्जीवन का कार्य प्रारंभ किया गया। अभियान की शुरुआत "गांधी उद्यान" से की गई, जहां एक वृक्ष के आसपास बनी दीवार के कारण उसके विकास में बाधा उत्पन्न हो रही थी। निगम की टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए दीवार को हटाकर वृक्ष को खुला स्थान प्रदान किया गया। इसके साथ ही निगम कार्यालय परिसर में भी ऐसे "10 वृक्षों का पुनर्जीवन" किया गया, जिनके आसपास कंक्रीटीकरण अथवा अन्य कारणों से जड़ों के विकास में परेशानी हो रही थी। इस दौरान श्री डी.एल. देवांगन, कार्यपालन अभियंता एवं श्री के.वी. सिंह, अभियंता, सहित निगम के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे तथा वृक्षों के पुनर्जीवन एवं संरक्षण कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। नगर पालिक निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने आसपास स्थित वृक्षों की जड़ों को कंक्रीट, पेवर ब्लॉक अथवा अन्य निर्माण सामग्री से पूरी तरह न ढकें और वृक्षों के संरक्षण में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। वृक्षों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन, स्वच्छ एवं स्वस्थ शहर तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए आवश्यक है। आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा ने कहा कि वृक्ष हमारे पर्यावरण एवं शहर की जीवनरेखा हैं। निगम द्वारा वृक्षों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए किए जा रहे प्रयासों को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा तथा नागरिकों को भी इस अभियान से जोड़कर अधिक से अधिक वृक्षों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा।

विधायक मोतीलाल साहू ने भूमिपूजन कर नागरिकों को दी शानदार सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड क्रमांक 7 क्षेत्र अंतर्गत दलदल सिवनी क्षेत्र में ग्राम पंचायत भवन के पास नवीन रंगमंच निर्माण कार्य का रायपुर ग्रामीण विधायक निधि मद से 9 लाख 98 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से शीघ्र कराये जाने नगर निगम रायपुर के एमआईसी सदस्य श्री खेम कुमार सेन, वार्ड पार्षद श्री मोहन साहू, श्री देवदत्त द्विवेदी सहित कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव एवं वार्डवासी गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों की उपस्थिति के मध्य श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया। रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू ने कार्यपालन अभियंता श्री शरद ध्रुव को तत्काल स्वीकृति अनुसार वार्ड 7 के दलदल सिवनी क्षेत्र में ग्राम पंचायत भवन के पास नवीन रंगमंच निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाकर तय समयसीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। वार्ड 7 के पार्षद निगम एमआईसी सदस्य श्री खेम कुमार सेन ने वार्ड 7 के दलदल सिवनी क्षेत्र में नवीन रंगमंच निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन कर कार्यारम्भ करवाने हेतु समस्त वार्डवासियों की ओर से रायपुर ग्रामीण विधायक श्री मोतीलाल साहू को हार्दिक धन्यवाद दिया।

राजनांदगांव के युवाओं ने नशे के खिलाफ लिया संकल्प

- राष्ट्र निर्माण में योगदान का दिया संदेश
- 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान'

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा शासकीय दिग्विजय स्वशासी महाविद्यालय, राजनांदगांव में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। 24 एवं 25 अगस्त को आयोजित यह कार्यक्रम 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाने का संदेश दिया गया।

मादक पदार्थों की तस्करी और नियंत्रण की दी जानकारी

कार्यक्रम के दूसरे दिन मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), रायपुर के अधीक्षक श्री अनिल कुमार ने मादक पदार्थों की तस्करी, नियंत्रण और नशे के दुष्परिणामों पर पीपीटी प्रस्तुति दी। उन्होंने युवाओं को नशे से बचाव में उनकी भूमिका तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने नशामुक्ति से संबंधित मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में भी बताया। विद्यार्थियों ने नशे, मादक पदार्थों की तस्करी, इसके दुष्परिणाम और बचाव से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। श्री अनिल कुमार ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का विस्तारपूर्वक समाधान किया और नशे से दूर रहने के लिए जागरूक एवं सतर्क रहने का आह्वान किया।

निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण, युवाओं की भूमिका और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर अपनी विचारशीलता एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

विधायक ने किया भूमिपूजन

- मरोदा के तीन वार्डों में डेढ़ करोड़ से होगा विकास कार्य

रिसाली (विश्व परिवार)। रिसाली के पटरी पार क्षेत्र वार्ड 13 टंकी मरोदा, वार्ड 14 मरोदा कैंप और वार्ड 15 मौहारी मरोदा क्षेत्र में एक करोड़ अंठ्ठावन लाख तिरसठ हजार से विकास कार्य कराया जाएगा। मंगलवार को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर व रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने भूमिपूजन किया। वें सबसे पहले मौहारी मरोदा पहुंचे। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने नागरिकों से कहा कि निगम क्षेत्र के पटरी पार क्षेत्र मरोदा, नेवई में लगातार विकास कार्यों को सूचीबद्ध कर भूमिपूजन किया जा रहा है। एक माह से इसकी शुरूआत की गई है और अंतिम छोर पुरैना से भूमिपूजन करते आ रहे है। क्षेत्रीय पार्षद के प्रयास और नागरिकों के प्राथमिकता को देखते हुए विभिन्न विकास कार्य को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से कहा कि बहुत सारे विकास कार्यों की मंजूरी प्रक्रियाधीन है। स्वीकृति पश्चात वें पुनः वार्डो में दौरा करेंगे। कार्यक्रम को महापौर शशि सिन्हा ने भी संबोधित किया। उन्होंने निगम क्षेत्र में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के लिए नागरिकों को बधाई दी। भूमिपूजन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, पार्षद ईश्वरी साहू, सरिता देवांगन, विधि यादव, गजेन्द्री कोठारी, ममता सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, सारिका साहू, मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, अनुपम साहू समेत बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

इन वार्डों में होगा विकास कार्य

रिसाली निगम क्षेत्र के वार्ड क्र. 13 टंकी मरोदा में 60.28 लाख से नाली निर्माण, सड़क, सौंदर्यीकरण कराने का कार्य किया जाएगा। इसी तरह वार्ड 14 मरोदा कैंप में 51.10 लाख से नाली, पुलिया निर्माण, सड़क संधारण, सामुदायिक भवन, वार्ड 15 मौहारी मरोदा में 39.25 लाख से विकास कार्य होंगे।

मवेशी धर-पकड अभियान में 12 मवेशी पकड़े

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। पशु मालिकों की लापरवाही से मवेशी निगम सीमाक्षेत्र के चैक चैराहों में घुमते रहने एवं बैठे रहने से यातायात बाधित होने एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। गत दिवस रात्रि में जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर में दर्जनभर मवेशी दुर्घटना के शिकार हुए। आमजनो एवं मवेशियो को दुर्घटना से बचाने नगर निगम द्वारा मवेशी धर पकड अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही निदान 1100 तथा मुख्यमंत्री हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतों के आधार पर भी मवेशी पकडा जाता है तथा बीमार मवेशी ईलाज के लिए गौशाला पिंजरापोल तथा आरोग्यम गौशाला छोड़ा जाता है एवं रात में टीम द्वारा मवेशी हकाला भी जाता है। आज कलेक्टर महोदय के निर्देश पर आयुक्त जी.आर. मरकाम की उपस्थिति में मवेशी पकड़ने के अलावा 100 से अधिक मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगाकर सिंग में रेडियम टेप लगाया गया तथा चैक चैराहे से 12 घुमंतु एवं बैठे मवेशी पकड़कर रेवाडीह कांजी हाउस पहुँचाया गया। जहां गंज मण्डी से बचे फल सब्जी लाकर मवेशियो को खिलाया जा रहा है। मवेशियों को पकड़ने शासन व प्रशासन द्वारा दिये गये निर्देशानुसार नगर निगम की घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने निगम आयुक्त द्वारा गठित टीम चैक चैराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही निरंतर कर रही है।

टाकापारा में पाईप लाईन बिछाने महापौर ने किया स्थल निरीक्षण

राजनांदगांव। नगर निगम द्वारा शहर में सुचारू पेयजल सप्लाई के लिए पाईप लाईन विस्तार किया जा रहा है। इसी कडी में वार्ड नं. 14 टाकापारा के पास लोधी पारा में पाईप लाईन बिछाने के लिए महापौर मधुसूदन यादव आज कनिष्ठ सभापति संदीप बघेल व वार्ड पार्षद सतीश मसीह तथा अधिकारियो के साथ स्थल निरीक्षण किए। साथ ही उन्होंने वार्ड की ओर ओव्हर ब्रिज ढलान सहित वार्ड में 12 विद्युत पोल लगाने के निर्देश दिए। महापौर श्री यादव टाकापारा पहुच मोहल्ले वासियो के साथ पेयजल समस्या क्षेत्र का निरीक्षण किए। टाकापारा के पास लोधी पारा गली में पाईप लाईन नही होने के कारण पानी की समस्या बरकरार थी, जिसके समाधान के लिए महापौर ने वार्ड पार्षद के साथ स्थल निरीक्षण कर अधिकारियो को पाईप लाईन बिछाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पाईप लाईन बिछाने के पश्चात चेककर खोदे गये गड्ढे तत्काल समतल किया जाए, जिससे आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने नया से लगा टाकाघर परिसर में बाउण्ड्रीवाल तथा टाकापारा में सीमेंट रोड निर्माण कराने के निर्देश दिए।

नवनिर्मित सिटी बस डिपो का सेंट्रल टीम ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के संचालक भानुप्रताप सिंह भदौरिया ने निगम आयुक्त सुरुचि सिंह एवं केंद्रीय टीम की उपस्थिति में डी मार्ट के सामने निर्माणाधीन सिटी बस डिपो का निरीक्षण किया। इस दौरान सिटी बसों के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए आवश्यक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सिटी बसों के ड्राइवर एवं कंडक्टरों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बनाए गए भवन का निरीक्षण किया। प्रशिक्षण भवन में उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली गई। इसके साथ ही डिपो परिसर में बसों की पार्किंग व्यवस्था, चार्जिंग प्वाइंट तथा प्रशासनिक व्यवस्था का भी विस्तारपूर्वक निरीक्षण किया गया। उन्होंने डिपो परिसर की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने बसों के संचालन से संबंधित आवश्यक सुविधाओं का नियमित निरीक्षण करने तथा यात्रियों एवं बस संचालन से जुड़े कर्मचारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। संयुक्त टीम ने डिपो परिसर में उपलब्ध संसाधनों एवं वर्तमान व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की। सिटी बस सेवा को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आधारभूत सुविधाओं की स्थिति को भी देखा गया।

पीडीएस दुकानों में राशन नहीं, एक साथ दो माह का राशन मात्र कागजी दिखावट : कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश के पीडीएस दुकानों में अगस्त माह का राशन अब तक नहीं पहुंचा जो दर्शाता है कि प्रदेश में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है और उसके बाद भी सरकार गरीबों को सितम्बर - अक्टूबर माह का राशन चावल -गुड़ -शक्कर सहित एक मुश्त देने का ढिंढोरा पीट रही है,जबकि वास्तविकता यह है कि हितग्राही राशन कार्ड लेकर दुकानों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में हितग्राही राशन कार्ड लेकर भटक रहे हैं, भंडारण नहीं होने से लगभग आधे राशन दुकानों में अगस्त माह का राशन पहुंचा ही नहीं है, आबंटन केवल कागजी साबित हो रहा है। शक्कर तो किसी भी राशन दुकान में नहीं मिल रहा है, शक्कर कि कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी से प्रदेश कि जनता महंगा शक्कर खरीदने को मजबूर है, बस्तर सरगुजा जैसे वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में तो चना और गुड़ का आवंटन लंबे समय से बाधित है, कोर पीडीएस संघ पूरे प्रदेश में अनियमित आपूर्ति और भंडारण की शिकायतें लगातार कर रहा हैं। ऐसे में सितम्बर -अक्टूबर माह का राशन एक साथ देने का सरकार का कलेक्टरों को आदेश महज एक कागज़ी दिखावट मात्र है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए राशन उनका अधिकार है।

रेल संरक्षा के सजग प्रहरियों को तरुण प्रकाश ने किया सम्मानित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 25 अगस्त, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 09 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के सराहनीय कार्य इस प्रकार हैं, लोको पायलट, गुड्स के पद पर कोरबा में पदस्थ कर्मचारी धीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने ड्यूटी पर जाते समय कोरबा यार्ड की लाइन नंबर-4 के पास रेल फ्रैक्चर की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रैक को संरक्षित कर रेल परिचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया गया। स्टेशन मास्टर के पद पर उरगा में पदस्थ कर्मचारी शशिकांत कुमार सिंह ने मालगाड़ी से ऑल राइट सिग्नल एक्सचेंज करते समय इंजन से 15वें वैगन में ब्रेक बाइंडिंग की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया।

स्वामी हरिगिर महाराज का 58 वां वर्सी महोत्सव आज से

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वामी हरिगिर महाराज का 58वां वर्सी महोत्सव आज दिनांक 26 अगस्त से शताब्दी नगर तेलीबांधा में स्थित स्वामी हरिगिर महाराज धर्मशाला जय शक्ति धाम समिति में साईं आनंदगिर महाराज बाबा झंगल दास वाधवा परिवार के सानिध्य में बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। तीन दिवसीय वर्सी महोत्सव का प्रारंभ आज दिनांक 26 अगस्त दिन बुधवार (प्रथम दिवस) को प्रात: 9 बजे दुर्गा माता पाठ आरंभ प्रात: 11 बजे अखण्ड पाठ साहेब आरंभ अम्मा मीरा देवी दरबार के सानिध्य में भाई गोविंद सिंह द्वारा दोपहर 1:00 बजे स्वामी हरिगिर महाराज धर्मशाला ब्राह्मण भोजन दोपहर 2:00 भंडारा। 4:00 बजे स्वामी हरिगिर महाराज की स्मृति में बाबा झंगलदास वाधवा परिवार द्वारा अनाज वितरण रात्रि 7:00 बजे दुर्गा माता मंदिर में आरती रात्रि 7:30 बजे पाठ साहेब आरती एवं कीर्तन भाई गोविंद सिंह द्वारा रात्रि 9 बजे - एसएसडी महिला मंडल द्वारा रात्रि 10 बजे - भजन एवं प्रवचन संध्या पूज्य वसण शाह दरबार उल्हासनगर से साईं कालीराम साईं लाल दास जी द्वारा।

द्वितीय दिवस 27 अगस्त दिन गुरुवार प्रात: 8.30 बजे - दुर्गा माता मंदिर में आरती प्रात: 9 बजे - पाठ साहेब आरती दोपहर 1:00 बजे भंडारा शाम 7 बजे - दुर्गा माता मंदिर में आरती रात्रि 7.30 बजे - पाठ साहेब आरती एवं कीर्तन भाई गोबिंद सिंह द्वारा रात्रि 9 बजे - भजन जैसिंग अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्री मयूर अलवानी द्वारा रात्रि 10 बजे - भजन संध्या झूलेलाल मंदिर चक्करभाँटा। वर्सी महोत्सव के तृतीय दिवस 28-8-2026 दिन शुक्रवार रक्षाबंधन के दिन प्रात: 8.30 बजे दुर्गा माता मंदिर में आरती प्रात: 9 बजे दुर्गा माता पाठ समापन एवं हवन प्रात: 10 बजे शोभायात्रा तेलीबांधा से पूज्य समाधी साहेब तक प्रात: 11 बजे समाधि साहेब पूजा अर्चना एवं बच्चों का मुंडन संस्कार प्रात: 12 बजे - अखंड पाठ भोग साहेब साईं युधिष्ठिर लाल शदाणी दरबार तीर्थ के सानिध्य में भाई गोविंद सिंह द्वारा जय शक्तिधाम समिति के कोषाध्यक्ष सीए. चेतन तारवानी ने बताया कि भारत के कोने कोने से स्वामी हरिगिर महाराज जी के श्रध्दालुगण पधार रहे हैं।

जोन-10 में बड़े बकायादारों पर नगर निगम की सख्ती, 5 व्यावसायिक परिसरों को किया सीलबंद

रायपुर (विश्व परिवार)। जोन क्रमांक 10 के अंतर्गत् आयुक्त महोदय, अपर आयुक्त महोदय, उपायुक्त महोदया, जोन आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार आज दिनांक 25.08.2026 को कई वर्षों से बकाया राशि जमा नहीं करने वाले बड़े बकायादारों को डिमांड बिल, डिमांड नोटिस जारी करने के उपरांत भी आज दिनांक तक संपत्तिकर (टैक्स) जोन कार्यालय में जमा नहीं करने के कारण शक्ति से कार्यवाही करते हुए व्यावसायिक परिसरों को ताला लगाकर सीलबंद की कार्यवाही की गई जिसका विवरण निम्नानुसार है :-स.क्र. वार्ड का नाम व क्रमांक GIS ID कार्यवाही की गई संपत्ति का विवरण राशि वसूली रिमार्क डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड 1 क्र 52 RPR651100581 RAJESH JUMNANI, ANITA JUMNANI, 77712 77712 किया गया सिलिंग की कार्यवाही के दौरान टैक्स पेमेंट डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड 2 क्र.52 RPR651J01202 DHEERAJ KUMAR BOTHRA, RISHAB CHANDJI BOTHRA, 59454 सीलबंदी की कार्यवाही की गई। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड 3 क्र. 52, RPR651101157, AAYSHA MEMON, 53367 सीलबंदी की कार्यवाही की गई। 4 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड क्र.52 RPR651J01136, JYOTI PODDAR52901, सीलबंदी की कार्यवाही की गई। डॉ राजेन्द्र प्रसाद वार्ड 5 क्र 52 RPR651J01160, MO. NAFIS KHAN, 57709 सीलबंदी की कार्यवाही की गई बाबू जगजीवन राम 6 वार्ड क्र 53, RPR651000189, AMIT SALUJA, 197854 सीलबंदी की कार्यवाही की गई। बाबू जगजीवन राम वार्ड क्र. 53, RPR651G00807, 668706 कुल DESHBANDHU HS ENGLISH MEDIUM SCHOOL PRESIDENT-DR. SURYAKANT SHUKLA सीलबंदी की कार्यवाही की गई। 1167703, 77712 कुल राजस्व वसूली टैक्स निगम में जमा किया गया। सहायक राजस्व अधिकारी जोन क्रमांक 10 नगर पालिक निगम, रायपुर।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, बुधवार 26 अगस्त 2026

युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो वायरल, पांच नाबालिग हिरासत में

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक युवक की बेरहमी से पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में कुछ युवक एक युवक को लात-घूंसों से बुरी तरह पीटते हुए नजर आ रहे हैं। मामले में पुलिस ने पांच नाबालिगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शहर में पालकी यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान बजरंग चौक के पास किसी मामूली विवाद को लेकर कुछ युवकों के बीच झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर भीड़ ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी।

बहनों की आत्मनिर्भरता और चेहरे की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी खुशी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

■ रक्षाबंधन से पहले 'विष्णु भैया' ने बहनों को दिया स्नेह और सम्मान का उपहार

रायपुर (विश्व परिवार)। भाई-बहन के अटूट स्नेह के पावन पर्व रक्षाबंधन से पहले आज बालोद जिले के डौंडीलोहारा में एक आत्मीय और भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। प्रदेश की लाखों बहनों के 'विष्णु भैया' मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने महतारी वंदन सम्मान समारोह में प्रदेश की 67 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त के रूप में ?631 करोड़ 38 लाख से अधिक की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि हमारी माताओं-बहनों के चेहरे पर मुस्कान, उनका आत्मविश्वास और उनका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

डौंडीलोहारा के लाल रघुवीर सिंह स्टेडियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय का माताओं-बहनों ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भी बहनों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद किया, उनका हालचाल जाना और महतारी वंदन योजना से उनके जीवन में आए बदलावों के अनुभव सुने। इस अवसर पर बालोद जिले के 2 लाख 45 हजार 28 हितग्राहियों सहित प्रदेश के 67 लाख 28 हजार 918 हितग्राहियों के खातों में कुल ?631 करोड़ 38 लाख 37 हजार 700 की राशि अंतरित की गई।

बहनों के लिए 'विष्णु भैया' का रक्षाबंधन उपहार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सावन के पवित्र महीने और रक्षाबंधन के ठीक पहले मातृशक्ति के सम्मान के इस कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सितंबर माह की किस्त भी 25 अगस्त को ही बहनों के खातों में पहुंचाने का निर्णय लिया, ताकि त्योहार की खुशियां और बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि इसने महिलाओं के भीतर आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का नया भाव पैदा किया है। अब हमारी माताओं-बहनों को अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे इस राशि का उपयोग अपने स्वास्थ्य, पोषण, बच्चों की शिक्षा, बचत और छोटे व्यवसाय जैसी जरूरतों में कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की माताओं-बहनों के खातों में लगभग ?20 हजार करोड़ की राशि अंतरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की माताओं-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की जो गारंटी दी थी, राज्य सरकार उसे पूरी प्रतिबद्धता से धरातल पर उतार रही है।

समारोह का सबसे आत्मीय अवसर तब आया, जब मुख्यमंत्री श्री साय ने महतारी वंदन योजना की पांच हितग्राही महिलाओं से सीधे संवाद किया।

रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में प्रेम, विश्वास और रक्षा के संकल्प का पावन पर्व : पुरन्दर मिश्रा

■ 27 अगस्त को सुबह 11 बजे से 2100 माताओं-बहनों की उपस्थिति में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी जी को अर्पित किया जाएगा रक्षा-सूत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति समर्पण का अनुपम पर्व है। यह केवल कलाई पर राखी बांधने की परंपरा नहीं, बल्कि रिश्तों की गरिमा, पारिवारिक संस्कारों, सामाजिक सद्भाव और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का पवित्र संदेश देने वाला पर्व है। यह बात उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरन्दर मिश्रा ने रक्षाबंधन की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कही।

श्री मिश्रा ने कहा कि रक्षा-सूत्र भारतीय सनातन परंपरा में प्रेम, मंगलकामना, सुरक्षा और संकल्प का प्रतीक रहा है। समय के साथ रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह और अटूट विश्वास का पर्व बनकर जनमानस में विशेष स्थान बना चुका है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सच्चे रिश्ते केवल अधिकारों से नहीं, बल्कि प्रेम, सम्मान, कर्तव्य, विश्वास और एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की भावना से मजबूत होते हैं।

भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी की कथा से जुड़ा पवित्र भाव

रक्षाबंधन से जुड़ी लोकप्रिय धार्मिक मान्यताओं में भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी का प्रसंग विशेष रूप से स्मरण किया जाता है। मान्यता है कि एक अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त निकलने पर द्रौपदी ने अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उनकी उंगली पर बांध दिया था। द्रौपदी के इस सहज स्नेह और आत्मीयता से प्रभावित होकर श्रीकृष्ण ने उनकी रक्षा का संकल्प लिया।

श्री मिश्रा ने कहा कि लोक-परंपरा में यह प्रसंग निस्वार्थ प्रेम, विश्वास और संकट की घड़ी में अपनों के साथ मजबूती से खड़े रहने की भावना का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि रक्षा-सूत्र की प्राचीन परंपरा को इंद्र और इंद्राणी की कथा से भी जोड़ा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवासुर संग्राम के समय इंद्राणी ने इंद्र की कलाई पर पवित्र रक्षा-सूत्र बांधा था। इसे संकट से रक्षा, मंगलकामना और विजय के संकल्प के रूप में देखा जाता है।

कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा अपराध रोक पाने में सरकार असफल: दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी सहित पूरे राज्य में अपराधी और अपराध बेलगाम हो गये है। कल राजधानी में एक ही थाना क्षेत्र में दो अलग अलग चाकूबाजी की घटनाओ मे दो युवकों की हत्या हो गई। इसके पहले एक युवती के साथ सड़क पर घर वापस आते समय गैंग रैप हो गया, कुछ दिन पहले एक औरत के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। पिछले 20 दिन में अकेले राजधानी में 12 हत्याये हुई है। राजधानी में रोज आधा दर्जन चाकूबाजी घटना होती है। यही हालत पूरे प्रदेश की है। ऐसा कोई जिला नही है, जहां रोज हत्या, बलात्कार की घटना नह हो रही हो। प्रदेश में हर दिन 8 शर्मनाक बलात्कार की घटना हो रही है। गृहमंत्री रोज मीडिया से बात करते है लेकिन बढ़ते अपराध पर चुप है। उनसे कानून व्यवस्था नही संभल पा रही। मुख्यमंत्री से तो अब जनता ने उम्मीद करना ही छोड़ दिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कुछ दिन पहले राजधानी में महिला को रास्ते में रोक कर हत्या कर दी गई उसके बाद उसके शव के साथ दुष्कर्म हो गया। पिछले हफ्ते एक महिला के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। राजनांदगांव के चिखली में एक व्यक्ति की घर में घुस कर हत्या हो गई। रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। प्रदेश में हर दिन 6 हत्या, 8 बलात्कार की घटना हो रही है। सक्ती में एक युवती को उसके घर में घुसकर गोली मार दी गयी। इसके पहले कोरिया के सोनहत में चार व्यक्तियों को जिंदा जला दिया गया। जैजेपुर में दो भाइयों को घर में घुसकर गोली मार दिया गया। पेण्ड्रा के कोटमी बाजार में सराफा कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। प्रदेश में कोई जिला नहीं जहां पर रोज हत्या, लूट, बलात्कार, चाकूबाजी की घटना नहीं हो रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों पर कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्मिक विभाग, मुख्यालय द्वारा आज एनईआई सभागृह, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल के प्रधान विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने सहभागिता की।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा मुख्य वक्ता डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी डॉ. दर्शनीता बी. अहलूवालिया द्वारा मुख्यवक्ता एच. श्रीनिवास का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू का भी स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि विजय कुमार साहू ने अपने स्वागत उद्बोधन में नए श्रम कानूनों के महत्व एवं वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मुख्य वक्ता श्री एच. श्रीनिवास के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) ने नए श्रम कानूनों की विस्तृत विवेचना करते हुए उनके प्रमुख प्रावधानों एवं मूल तथ्यों को सरल एवं सहज भाषा में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नए श्रम कानूनों के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर समझ को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के सफल समापन पर मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मिठास की नई चमक, सड्डू, रायपुर में न्यू देहली स्वीट्स-गोल्ड शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में शुद्धता और स्वाद का विश्वसनीय नाम बन चुका न्यू देहली स्वीट्स अब एक नए अवतार में आ रहा है - न्यू देहली स्वीट्स-गोल्ड .... राजधानी रायपुर के सड्डू में शुरू होने जा रहा यह आउटलेट हमारी मिठाइयों की श्रृंखला का 16वां आउटलेट होगा .

2011 से शुरू हुई थी मिठास की यात्रा

11 मार्च 2011 को रायपुर से एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुई यह विकास यात्रा, आज दो राज्यों के सफर में है . शीघ्र ही इसमें तीसरा सोपान जोड़ा जाएगा . इस मीठी श्रृंखला के सूत्रधार श्री अशोक ऋषि हैं. 20 बरस पहले उन्होंने ही यह सपना संजोया था जो उनके पुत्र अभिनव ऋषि, पुत्रवधु नीतू ऋषि व पुत्री साक्षी ऋषि के अतुलनीय सहयोग से साकार हुआ।

NDS को मिष्ठान्न प्रेमियों से बेइंतहा प्यार मिला . वजह बहुत साफ़ थी, हमने अपने सूत्र-वाक्य - House of Purity यानी शुद्धता, स्वाद और परफेक्शन पर पूरा ध्यान दिया . यही हमारी पहचान बनी . हम आज भी उस पर अडिग है . हमारा एकमात्र ध्येय था बिना किसी व्यावसायिक लाभ के छत्तीसगढ़ वासियों को शुद्ध और स्वादिष्ट मिठाइयां उपलब्ध कराना। हमें गर्व है कि हम अपने इस अभियान में सफल हुए। NDS ने मिठाइयों की बिक्री में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की उल्लेखनीय पहल की। एक ही शहर में मल्टी-पॉइंट आउटलेट्स का कॉन्सेप्ट हम ही लाए, ताकि हर क्षेत्र के ग्राहक तक शुद्ध मिठाई आसानी से पहुंचे।

अधिकारियों की आँख बंद, सिस्टम चोक की जानकारी नहीं : विकास उपाध्याय

रायपुर (विश्व परिवार)। पूर्व संसदीय सचिव एवं छाया सांसद विकास उपाध्याय ने केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार में लोगों के प्राणों की कोई कीमत नहीं रही, जिस प्रकार अण्डरब्रिजों में ड्रेनेज सिस्टम चोक हो जाने से पानी भरा रहता है और उसे नजरअंदाज किया जा रहा है किसी दिन बड़ी दुर्घटना हो जायेगी और आम जनता जान से हाथ गँवाएगी। अण्डरब्रिज में बारिश के दिनों में भारी पानी भरा रहता है और सरकार कोई जवाबदारी समझ नहीं रही है और अधिकारी भी अपनी आँखे बंद रखे हुये हैं। बच्चें कहीं खेलते-खेलते अण्डरब्रिज के पास चले गए या रात के समय कोई भी वाहन अंधेरे में तेजी से अण्डर ब्रिज से गुजरेंगे तो बड़ी घटना के शिकार हो जायेंगे और उन्हें अपने जान तक गँवानी पड़ सकती है। उपाध्याय ने कहा राजधानी के जिन 20 अंडरब्रिज पर बारिश के दिनों में हमेशा पानी भरता है उसमें 4 अण्डरब्रिज रायपुर-सरोना (दिशा कॉलेज), रायपुर सरोना (रामनगर), उरकुरा-सरोना (गुढ़ियारी), उरकुरा-सरोना (गोंदवारा) की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है जिसे भाजपा सरकार पूरी तरह अनदेखा कर रही है।

महापौर ने पुलिस कमिश्नर को बांधी राखी

रायपुर। रायपुर जिला प्रशासन द्वारा राजधानी शहर रायपुर में नगर पालिक निगम के बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की गरिमामयी उपस्थिति में रखे गए स्नेह की डोर विष्णु भैया मोर आयोजन में राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ संजीव शुक्ला को राखी बांधी. आयोजन में दीदियों ने अर्ध सैनिक बलों के जवानों को राखी बाँधी।

महिला मोर्चा की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष रूप कुमारी चौधरी ने किया पदभार ग्रहण

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूप कुमारी चौधरी ने आज नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर महिला मोर्चा सहित भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रूप कुमारी चौधरी ने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर कड़ा प्रहार किया। श्रीमती चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला विरोधी रहे हैं। जिस प्रकार कांग्रेस ने संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिला आरक्षण का विरोध किया, उसे पूरे देश ने देखा है। सबने देखा कि असल में महिला-विरोधी कौन है।उन्होंने कहा कि एक ओर जहाँ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देकर आगे बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी महिलाओं का अपमान करने और उनके अधिकारों में बाधा डालने का काम करती है। श्रीमती चौधरी ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो नारी शक्ति का वास्तविक सम्मान करती है और उन्हें संगठन व सरकार में उचित प्रतिनिधित्व देती है।

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने आज मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री ई-बस योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजना तथा 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं की व्यवहारिकता, वित्तीय पक्ष, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा नागरिकों को मिलने वाले लाभों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने इन योजनाओं के क्रियान्वयन में जनसुविधा, समग्र योजना, समयबद्धता, वित्तीय व्यवहार्यता और दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुमित अग्रवाल भी बैठक में मौजूद थे।

प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा ने बैठक में प्रधानमंत्री ई-बस योजना के तहत रायपुर में ई-बसों के संचालन को व्यवस्थित, सुविधाजनक और अधिक जनोपयोगी बनाने के लिए व्यापक रूट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई-बसों के रूट निर्धारित करते समय रायपुर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों के साथ स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थलों को शामिल करें, ताकि शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके और अधिक से अधिक नागरिक सार्वजनिक परिवहन का लाभ उठा सकें। उन्होंने प्रस्तावित बस रूटों की व्यवहारिकता, यात्री आवागमन एवं कनेक्टिविटी का आकलन करने के लिए विस्तृत सर्वे प्लान तैयार कराने के निर्देश दिए।

एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अधीन आरंभ किया त्रैमासिक अभियान

हैदराबाद (विश्व परिवार)। केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, एनएमडीसी लिमिटेड ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के पूर्वाभ्यास के रूप में त्रैमासिक अभियान आरंभ किया । इस अभियान का उद्देश्य पूरे संगठन में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, ईमानदारी और सुशासन के मूल्यों को बढ़ावा देना और जागरूकता को मजबूत करना है।

एनएमडीसी के सतर्कता विभाग ने इस अभियान के भाग के रूप में एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा पहचाने गए प्रमुख क्षेत्रों में कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने और क्षमता निर्माण के लिए आयोजित किया गया ।

इस सत्र में श्री अनुराग कपिल, निदेशक (वित्त), एनएमडीसी और श्री सी. नीलकंठ रेड्डी ,मुख्य सतर्कता अधिकारी, एनएमडीसी विशेष रूप से उपस्थित रहे। निदेशक (वित्त) ने अपने संबोधन में, सतर्कता और वित्त कार्यों में गहरे तालमेल पर बल दिया। उन्होंने पारदर्शिता, जवाबदेही और सही निर्णय लेने को सुनिश्चित करने के लिए आधिकारिक फाइलों पर स्पष्ट, विशिष्ट और तर्कसंगत स्पष्टीकरण व औचित्य दर्ज करने के महत्व पर भी बल दिया।

श्री सी. नीलकंठ रेड्डी, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने समापन सत्र के दौरान, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के विषय - 'समृद्धि के लिए ईमानदारी' (Probity for Prosperity) पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी संगठनात्मक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, नैतिकता और जवाबदेही के मूल मूल्यों को विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के लिए एनएमडीसी की तैयारियों को सशक्त और केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों के अनुरूप अपनी सक्रीय भागीदारी और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

एनएमडीसी के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री सी. नीलकंठ रेड्डी ने अभियान के महत्व और पूरे संगठन में सतर्कता कार्यप्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रख्यात वक्ताओं और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने आईटी और साइबर सुरक्षा व साइबर स्वच्छता, जीएफआर-2017 के तहत जीईएम-न्यू फीचर्स एण्ड फंक्शनेलिटी तथा कंडक्ट रुल्स एण्ड कन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरस्ट जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना अगाध ज्ञान और व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा किया।

पहले दिन के सत्र में श्रीमती के इंद्रैणी, वैज्ञानिक-एफ एवं संबद्ध निदेशक, सी-डैक ने साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता तथा श्री डी. ब्रह्मा रेड्डी ,दिल्ली विश्वविद्यालय के संबद्ध प्रोफेसर तथा आईएसटीएम ,नई दिल्ली के पूर्व संकाय ने पब्लिक प्रक्यूरमेंट ऑफ गूडस सर्विस अंडर जीएफआर-2017 पर सत्र आयोजित किए।

दूसरे दिन श्री कार्तिकेय दत्ता, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (सामान्य) आईआरएसएस ने प्रक्यूरमेंट फ्रेमवर्क, बेस्ट पैक्टिस एण्ड रीसेंट डेवलपमेंट इन जीईम, तथा कर्नूल क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल और बीडीएल ,मिधानि एवं एचएसएल के पूर्व मुख्य सतर्कता अधिकारी डॉ. उपेंदर वेन्नम ने मॉडल सीडीए रुलस एण्ड कनफ्लिक्ट ऑफ इंटर्स्ट विषय पर सत्र संचालित किए।

इन सत्रों ने प्रतिभागियों को अपने आधिकारिक दायित्वों के निर्वहन में सतर्कता जागरूकता, पारदर्शिता, अनुपालन और नैतिक निर्णय लेने को मजबूत करने पर मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए।

यह अभियान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 तथा सम्पूर्ण अभियान की अवधि के दौरान विभिन्न जागरूकता और क्षमता निर्माण पहलों के साथ जारी रहेगा।

एनएमडीसी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत 'समृद्धि के लिए ईमानदारी' विषय पर त्रैमासिक अभियान के रूप में, क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संगठन में सतर्कता, पारदर्शिता, अनुपालन, नैतिक आचरण और सुशासन को मजबूत करने के लिए मूल्यवान अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354